शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 297 | गुवाहाटी | शनिवार, 31 मई, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ब्रह्मोस ने पाकिस्तान की नींद हराम कर दी : पीएम पेज 2
जोराबाट में दूसरे दिन भी जल जमाव से राष्ट्रीय राजमार्ग ठप पेज 3
शहरों में श्रमिकों के लिए योगी सरकार शुरू करेगी सुविधा केंद्र और श्रमिक सराय पेज 5
पटना में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मिले प्रधानमंत्री मोदी पेज 7

जलभराव से गुवाहाटी ठप्प

शुक्रवार को भारी बारिश के बाद गुवाहाटी के छह माइल इलाके में पानी से भरी सड़क से गुजरते वाहन। फोटो : दशरथ डेका

गुवाहाटी। 29 मई से लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं ने असम की राजधानी गुवाहाटी को भीषण जलभराव और व्यापक व्यवधान से जूझना पड़ रहा है। शहर के प्रमुख इलाके जलमग्न हो गए हैं, सड़कें नालों में बदल गई हैं, यातायात ठप हो गया है और सामान्य जीवन पूरी तरह से ठप्प हो गया है। चांदमारी, हातीगांव, सिजुबारी, रुक्मिणीगांव, बेलतला, नवीन नगर और राजगढ़ जैसे इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जहां बाढ़ का पानी घरों, दुकानों और सड़कों पर फैल गया है। बंद नालियों, खराब सड़क ढांचे और चल रहे निर्माण ने संकट को और बढ़ा दिया है, जबकि लगातार बिजली कटौती ने कई इलाकों को घंटों तक बिजली के बिना छोड़ दिया है। 30 मई की सुबह, व्यस्त समय में यातायात लगभग ठप्प हो गया था और यात्री कमर तक पानी में फंसे हुए थे। कई निचले इलाकों में, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने निवासियों की सहायता के लिए रबर की नावें तैनात कीं। राजगढ़ निवासी मजोनी दास ने कहा कि मुझे अपने बच्चों को स्कूल ले जाना था और अब रबर की नावें ही एकमात्र विकल्प हैं। नवीन नगर के एम. कलिता ने कहा कि इस मौसम में काम पर जाना या कोई और काम करना बेहद मुश्किल है। शहर बर्बाद होता जा रहा है! जोराबाट में एक विशाल कृत्रिम बाढ़ -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार को पीएम मोदी का बड़ा तोहफा

48,500 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

पटना। रोहतास जिला के बिक्रमगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज 48 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक की विद्युत, सड़क, रेल और शिक्षा से जुड़ी विकास परियोजनाओं के उद्घाटन, शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार के विकास के लिए किए गए कार्यों की तारीफ की और कहा कि हमारा लक्ष्य है विकसित बिहार, विकसित देश। रोहतास के बिक्रमगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रोहतास जिले के बिक्रमगंज में पधारे हैं। सबसे पहले मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। साथ ही यहां उपस्थित बिहार के राज्यपाल, केंद्रीय मंत्रीगण, बिहार के उप मुख्यमंत्रीगण एवं मंत्रीगण और कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का -शेष पृष्ठ दो पर

नीतीश सरकार ने उच्च जातियों के विकास के लिए बनाया आयोग

पटना। बिहार में भले ही साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, लेकिन यहां सियासी तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। सीएम नीतीश सत्ता में काबिज रहना चाहते हैं। यही कारण है कि वे चुनावी साल को देखते हुए कई बड़े फैसले ले रहे हैं। इसके साथ ही वे सभी वर्गों को साधने की कोशिश में लगे हुए हैं। अब -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : राहत शिविरों में हालात को लेकर राज्यपाल ने ली समीक्षा बैठक

इंफाल। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने शुक्रवार को राज्य के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में बने राहत शिविरों में रह रहे आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने शिविरों में रह रहे लोगों की रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा की व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। मामले में राजभवन की ओर से जारी बयान में बताया गया कि यह बैठक राजभवन में आयोजित की गई, जिसमें मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, आयुक्त, प्रशासनिक सचिव और सभी जिलों के उपायुक्त शामिल हुए। बैठक में उपायुक्तों ने आईडीपीएस के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय के मुख्यमंत्रियों के बीच गंदे पानी के मुद्दे पर 2 जून को होगी बैठक

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को मेघालय से गुवाहाटी में आ रहे गंदे पानी के ज्वलंत मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. सांग्मा इस मामले पर विस्तार से चर्चा करने के लिए 2 जून को गुवाहाटी का दौरा करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि कुछ पानी तो आना ही चाहिए। अगर अरुणाचल में बारिश होती है, तो असम में बाढ़ आ जाती है। मैं यह नहीं कह सकता कि मेघालय से पानी नहीं आएगा- यह एक पहाड़ी राज्य है- लेकिन यह जोराबाट में पहाड़ी काटने की कीमत पर नहीं होना चाहिए। यही वह मुद्दा है जिस पर हम चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में मेघालय और असम दोनों को नोटिस जारी कर दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट की भागीदारी से यह मामला अंतिम समाधान की ओर बढ़ेगा। गुवाहाटी के कुछ भागों, विशेषकर जोराबाट के निकट, में गंदे पानी और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

गौहाटी हाईकोर्ट ने दो भाइयों की मनमानी गिरफ्तारी पर असम सरकार को नोटिस जारी किया

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार को नोटिस जारी कर न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किए गए दो भाइयों के ठिकानों तथा घोषित विदेशियों की *मनमाने ढंग से गिरफ्तारी* के बारे में विस्तृत जानकारी देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति कल्याण राय सुराना और न्यायमूर्ति मालाश्री नंदी की खंडपीठ ने गुरुवार को राज्य सरकार को अबू बकर सिद्दीक और उसके भाई अकबर अली के ठिकानों के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया, जिन्हें 25 मई को कामरूप जिले के नागरबेरा पुलिस थाने के अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 4 जून तय की है। अदालत दोनों के भतीजे तोराप अली द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि उसके परिवार को आशंका है कि उसके दोनों चाचाओं को अवैध रूप से बांग्लादेश में भेजे जाने का खतरा हो सकता है। याचिकाकर्ता ने दावा किया -शेष पृष्ठ दो पर

खड़गे, राहुल ने असम कांग्रेस नेताओं से मुलाकात कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी ने अगले साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले रणनीति पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को असम के नेताओं से मुलाकात की और उम्मीद जताई कि पार्टी हिमंत विश्व शर्मा सरकार को सत्ता से बेदखल कर देगी। गौरव गोगोई को नए पार्टी प्रमुख के रूप में नियुक्त करने के साथ पूर्वोत्तर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के बाद पार्टी की असम इकाई के साथ कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की यह पहली बैठक है। सूत्रों ने कहा कि खड़गे और गांधी दोनों ने नेताओं से राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए लोगों का दिल जीतने के लिए एकता, ताकत और समन्वय के साथ काम करने का आग्रह किया। उन्होंने असम सरकार को *अहंकारी और भ्रष्ट* करार दिया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल और असम के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह भी यहां पार्टी के नए इंदिरा भवन मुख्यालय में मौजूद थे। गांधी ने फेसबुक पर बैठक की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि आज अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी के नेतृत्व में, कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

शत्रु की बुरी आदतों को सुनकर कानों को सुख मिलता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

असम का पहला वन्यजीव स्वास्थ्य और अनुसंधान संस्थान होगा डिब्रूगढ़ में : सीएम

गुवाहाटी। असम का पहला वन्यजीव स्वास्थ्य और अनुसंधान संस्थान डिब्रूगढ़ जिले के दिनजान में स्थापित किया जाएगा, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को घोषणा की। संस्थान का निर्माण 250 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से किया जाएगा और यह 120 बीघा क्षेत्र में फैला होगा। -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में उद्योग भवन को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित उद्योग भवन में एक धमकी भरे ईमेल के बाद अलर्ट जारी कर दिया गया, जिसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से संभावित बम हमले की चेतावनी दी गई थी। भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव को संबोधित यह ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि उद्योग भवन परिसर में आत्मघाती आईईडी का इस्तेमाल किया जाएगा। उद्योग भवन राष्ट्रीय राजधानी के -शेष पृष्ठ दो पर

कृषि में तकनीक अपनाकर उत्पादन बढ़ाएं : गडकरी

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कृषि तकनीकों के विकास पर जोर दिया। इसके लिए उन्होंने किसानों से आपस में सहयोग कर कृषि तकनीकों का विकास करने और उत्पादन बढ़ाने की अपील की। नितिन गडकरी ने कहा कि नई तकनीकों को अपनाकर खेती की लागत घटाई जा सकती है और गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकता है। बता दें कि गडकरी नागपुर में आयोजित बायोचार उत्पादन प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यशाला में किसानों को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम एग्रोविजन फाउंडेशन की तरफ से आयोजित किया -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर का विकास न रुकेगा, न थमेगा : अमित शाह

पुंछ (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए शुक्रवार को पुंछ का दौरा किया। उन्होंने यहां के बाशिंदों को भरोसा दिलाया कि जम्मू-कश्मीर का विकास न रुकेगा, न थमेगा। उन्होंने कह कि हर आतंकी हमले का जवाब देना हमारी नीति है। पहलगाम का हमला कायराना था, इसलिए इस हरकत की दुनियाभर में निंदा की गई। पुंछ के लोगों ने बहादुरी का परिचय दिया है। उन्होंने हमले में मारे गए पुंछ के नागरिकों के परिजनों को नियुक्ति प्रमाण पत्र भी दिए । शाह ने पाकिस्तान की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया और पुंछ में सबसे अधिक नुकसान हुआ। आजादी के बाद पहली बार पुंछ पर गोलीबारी की -शेष पृष्ठ दो पर

देशभर में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के आंकड़े

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना के मामले बढ़ते नजर आ रहे हैं। अब तक 1000 से ज्यादा लोग संक्रमित पाए जा चुके हैं। दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र, झारखंड, कर्नाटक, केरल जैसे कई राज्यों में नए केस सामने आ रहे हैं। इस बीच कई राज्यों में स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट कर दिया है। दिल्ली में अब तक 104 केस मिले हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि 19 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं और बाकी घर पर ही इलाज करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, सरकार पूरी तरह से तैयार है। अस्पतालों में दवाइयां, बेड और -शेष पृष्ठ दो पर

अमूल्य सेवा के लिए 15 नर्सों को मिला राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल अवॉर्ड

नई दिल्ली। नर्सिंग के क्षेत्र में सराहनीय काम के लिए राष्ट्रपति मुर्मू ने 15 नर्सिंग पेशेवरों को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया। इस पुरस्कार के तहत विजेताओं को योग्यता प्रमाणपत्र, 1,00,000 रुपए के नकद पुरस्कार दिया जाता है। इसके साथ ही इन स्वास्थ्य योद्धाओं की अमूल्य सेवा के लिए राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक एक पदक भी दिया जाता है। इस साल राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में अवॉर्ड पाने वालों में कई क्षेत्रों और स्वास्थ्य सेवा सेटिंग्स में सार्वजनिक स्वास्थ्य वितरण को मजबूत करने और समुदायिक कल्याण को बढ़ावा देने वाले नर्सिंग पेशेवर शामिल थे। इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव और अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि हमारी नर्सें भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की स्तंभ हैं, जो हर दिन अनगिनत लोगों की जान बचाती हैं। आपको मिला यह सम्मान मानवता की सेवा के लिए आपके समर्पण का उत्सव मनाता है। यह आपको सकारात्मक प्रभाव डालते रहने के लिए प्रेरित करता रहेगा। बता दें कि राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय देता है। इसके तहत नर्सिंग पेशे को परिभाषित करने वाले समर्पण, -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तरी सिक्किम वाहन दुर्घटना में लापता नौ यात्रियों का सुराग नहीं

गंगटोक (हि.स.)। उत्तरी सिक्किम में गुरुवार देर रात हुई वाहन दुर्घटना के बाद लापता हुए नौ यात्रियों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। कल रात वाहन दुर्घटना के बाद से खोज और बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। खोज एवं बचाव कार्य आज पूरे दिन भी जारी रहा। कल रात दुर्घटना स्थल से दो लोगों को बचाया गया, जबकि नौ अभी भी लापता हैं। चुंगथांग पुलिस के अनुसार गुरुवार रात करीब 8 बजे लाचेन-चुंगथांग मार्ग पर छुबांबू और मुंशीथांग के बीच एक टैक्सी सड़क से तीस्ता नदी में गिर गई। वाहन में टैक्सी चालक सहित 11 लोग यात्रा कर रहे थे। सभी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ब्रह्मोस ने पाकिस्तान की नींद हराम कर दी : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कानपुर पहुंचे थे। यहां उन्होंने जनता को 50 हजार करोड़ की लागत वाली विकास परियोजनाओं की सौगात दी। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया और पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत के ब्रह्मोस मिसाइलों ने पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है। पीएम ने कहा कि हमने पाकिस्तान में सैकड़ों मील अंदर घुसकर उनके आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। पीएम मोदी का बयान ऐसे वक्त में आया है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में माना है कि ब्रह्मोस मिसाइलों के हमले ने उनकी सेना को चौंका दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान का स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर का खेल अब चलने वाला नहीं है। अगर मैं सीधे-सीधे कानपुरिया में कहूं कि दुश्मन कहीं भी हो, होंक दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है। पीएम ने कहा कि हमारे भारतीय हथियारों ने और ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। जहां टारगेट तय किया, वहां धमाके किए। मैं फिर कहना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वो किसी धोखे में न रहे। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। पीएम मोदी ने पाकिस्तान की गीदड़भभकी देने की आदत पर भी उसे स्पष्ट संदेश दे दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय किए हैं। भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा, उसका समय, तरीका और शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। पीएम ने कहा कि भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। आतंक के आका और आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइलें जब पाकिस्तान के ठिकानों पर गिरीं, तो पाक सेना की नींद हराम हो गई। बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अजरबैजान में माना था कि पाकिस्तान जब हमले की योजना बना रहा था, तब भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों ने नूर खान एयरबेस और पाकिस्तान के दूसरे ठिकानों पर हमला कर उसे तबाह कर दिया था।

चार देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति को अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए

नई दिल्ली (हि.स.)। चाड, बेनिन, अल्जीरिया और नाइजर सहित चार देशों के राजदूतों ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और उन्हें अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रपति को अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत करने वालों में चाड की राजदूत इल्दजिमा बद्दा मल्लोत, बेनिन के राजदूत एरिक जीन-मैरी जिन्सोउ, अल्जीरिया के जनवादी गणराज्य के राजदूत अब्देनोर खलीफी और नाइजर के राजदूत ज़ादा सेडौ शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इन राजदूतों का स्वागत किया और भारत के साथ संबंधों को मजबूत बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

No. E-362699/164:

NOTICE

It is for information to all the 75 Nos. of recommended candidates excluding the 5 Nos. of candidates recommended against the Persons with Benchmark Disability (PwBD) category amongst the 80 Nos. of recommended candidates for recruitment to the post of Junior Engineer (Mechanical) under the Joint cadre of Public Works Roads Department (PWRD) and Public Works (Building & National Highway) Department [PW(B&NH)D] as per the recommendation of the Assam Public Service Commission (APSC) vide their letter No. 107PSC/CON/Exam-14/2024-2025 Dated 09.05.2025, that they are to appear before the Medical Board as per the schedule below at the Office of the Joint Director of Health Services, Kamrup Metropolitan District, Satpukhuri, Uzanbazar, Near Brahmaputra State Guest House, Guwahati -1 along with the test reports of **(i) Blood Routine Examination, (ii) Chest X-Ray PA view, (iii) ECG, (iv) Serum Bilirubin, (v) SGOT & SGPT, (vi) Alkaline Phosphatase, (vii) Serum Creatinine, (viii) Blood Sugar-Random, (ix) Lipid Profile, (x) Thyroid Function Test, (xi) Urine for R/E.**

SCHEDULE FOR MEDICAL EXAMINATION:

Date	Position in the APSC list.	Time
03-06-2025	1-38	10:30 am to 03:00 pm
04-06-2025	39-53, 56-60, 62-65 & 67-79	10:30 am to 03:00 pm

Further, the candidates are hereby directed to bring all their documents in original for document verification against the date and time as mentioned above, and, to submit the Notarized Affidavit as per the Personnel (B) Department's O.M. No.ABP.78/2021/01, dtd. 18.11.2021 at the venue during document verification.

It is also hereby informed that the **date and time for Medical Examination and document verification in respect of the 5 Nos. of candidates recommended against Persons with Benchmark Disability (PwBD) category bearing the position in the APSC's list viz. 54, 55, 61, 66 & 80, whose Medical Examination is to be conducted by the Principal cum Chief Superintendent, Guwahati Medical College Hospital, shall be notified later on.**

Commissioner & Spl. Secretary to the Govt. of Assam
Public Works Roads Department
Dispur, Guwahati-06

-- DIPR /D/VBS-24/ 31-May-25

अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से पांच की मौत

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के मुक्तसर स्थित पटाखा फैक्टरी में गुरुवार की रात हुए धमाके में पांच लोगों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हो गए थे। इनमें से गंभीर रूप से 15 घायलों का बादल सरकारी अस्पताल और बठिंडा सरकारी अस्पताल में इलाज रहा है। मृतकों में अभी एक युवक की पहचान हो सकी है। प्रशासन का कहना है कि यह फैक्टरी अवैध रूप से संचालित होरही थी। जांच के बाद संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी। मुक्तसर के गांव सिंघेवाला-फतूहीवाला मार्ग पर स्थित यह पटाखा फैक्टरी सतारूढ़ दल से जुड़े एक कार्यकर्ता की बताई जा रही है। रात करीब डेढ़ बजे मेकिंग यूनिट में जोरदार विस्फोट होने से दो मंजिला इमारत ढह गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि फैक्टरी मालिक ने पटाखा बनाने काम उत्तर प्रदेश के हाथरस निवासी राजकुमार को ठेके पर दिया था। उसके लोग ही यहां काम करते थे। इनमें से ज्यादातर लोग फैक्टरी में ही रहते थे। घटना के बाद राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। विस्फोट के बाद बिल्डिंग के मलबे में से 29 को बाहर निकाल लिया गया है। किसी अन्य व्यक्ति के दबे होने की आशंका के चलते राहत कार्य जारी रखा हैं। एनडीआरएफ ने अभी क्लीयरेंस नहीं दी है।

लोस अध्यक्ष ओम बिरला ब्रिक्स संसदीय फोरम में लेंगे भाग

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 3 से 5 जून तक ब्राजील के ब्रासीलिया में आयोजित होने वाले 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल (आईपीडी) का नेतृत्व करेंगे। इस फोरम का मुख्य विषय अधिक समावेशी और दीर्घकालिक वैश्विक शासन विधि के निर्माण में ब्रिक्स संसदों की भूमिका है। लोकसभा सचिवालय के अनुसार, फोरम में ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान) और आमंत्रित देशों के संसदीय अध्यक्ष और सांसद भाग लेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला फोरम के पूर्ण सत्र में इंटर-पार्लियामेंट्री सहयोग के लिए जिम्मेदार और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य विषयों पर बोलेंगे। फोरम में भारत की डिजिटल पहल, जिसमें भाषिनी भी शामिल है, पर प्रकाश डाला जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा के उपाध्यक्ष हरिवंश, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र सिंह नागर, लोकसभा सदस्य विजय बघेल, विवेक ठाकुर, डॉ. शबरी बिरेड्डी, लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी शामिल होंगे। फोरम का उद्देश्य ब्रिक्स संसदों की भूमिका को मजबूत करना और वैश्विक शासन में अधिक समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देना है। फोरम में विभिन्न सत्रों में ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की ब्रिक्स संसदीय फोरम में भागीदारी से भारत के वैश्विक संबंधों को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

पृष्ठ एक का शेष

जलभराव से गुवाहाटी...

ने वाहनों को फंसा दिया, जिससे शहर की योजना की कमजोरी और उजागर हो गई। कई जगहों पर सड़कें धंस गई हैं या फिर चलने लायक नहीं रह गई हैं, जिससे बचाव दलों के लिए चुनौती और बढ़ गई है। लगातार बारिश और तूफानी मौसम के कारण अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग ने गुवाहाटी और उत्तरी गुवाहाटी के बीच नौका सेवा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने घोषणा की है कि मौसम की स्थिति में सुधार होने तक नौका सेवाएं बंद रहेंगी, जिससे नदी परिवहन पर निर्भर रहने वाले हजारों यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण दैनिक मार्ग कट जाएगा। इस बीच, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने असम के लिए 31 मई तक रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें पूरे राज्य में भारी से लेकर बेहद भारी बारिश जारी रहने की चेतावनी दी गई है। इस मौसमी गड़बड़ी का कारण बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी भाग में बना गहरा दबाव है, जो और भी गहराता जा रहा है और इसके कारण और भी ज्यादा गरज के साथ बारिश और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है। धुबरी, ग्वालपाड़ा, कोकराझाड़, हैलाकांदी, कछार और डीमा हसाउ जैसे जिलों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और गंभीर जलभराव का खतरा है। अकेले गुवाहाटी में, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने 366 भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों की पहचान की है और एक सार्वजनिक परामर्श जारी कर नागरिकों से अनावश्यक यात्रा से बचने और विशेष रूप से बाढ़-प्रवण और पहाड़ी क्षेत्रों में सतर्क रहने का आग्रह किया है। मानसून के समय से पहले और आक्रामक रूप से आने के कारण शहर का बुनियादी ढांचा भारी दबाव में है। अधिकारी निवासियों से मौसम संबंधी सलाह का बारीकी से पालन करने और भारी बारिश के दौरान घर के अंदर रहने का आग्रह कर रहे हैं। फिलहाल, गुवाहाटी शहरी बाढ़ के एक और चक्र से जूझ रहा है, जो सभी को प्राकृतिक आपदाओं के लिए इसकी नाजुक तैयारी की याद दिलाता है।

48,500 करोड़ की ...

मैं अभिनंदन करता हूं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जो काम होने वाला है, उनमें दो सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन और तीन रेल परियोजनाओं का लोकार्पण तथा चार योजनायें, जिनमें बिजली उत्पादन, पथों और पुलों के निर्माण शामिल हैं उनका शिलान्यास किया जा रहा है। इन सबकी कुल लागत 48 हजार 500 करोड़ रुपए से भी अधिक है। इन योजनाओं के निर्माण से बिहार को काफी फायदा होगा। मैं इसके लिए उनका अभिनंदन करता हूं। आप जो काम करने वाले हैं उससे बिहार को काफी फायदा होगा, इसके लिए मैं प्रधानमंत्री को हृदय से धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति जनगणना कराने के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। यह बहुत महत्वपूर्ण कदम है। पहले भी हम ही इस मांग को उठाते थे। अन्य पार्टियों के लोग बेवजह बातें कर रहे हैं। लोग इन सब चीजों को याद रखें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सड़क और रेल परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। साथ ही बिजली की चार परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इन योजनाओं से बिहार को काफी फायदा होगा। 24 नवंबर 2005 से पहले की सरकारों ने कोई काम नहीं किया। जदयू-भाजपा की सरकार ने बिहार के विकास के लिए बहुत काम किया है। आज इतनी महिलाएं दिख रही हैं, पहले की सरकारों ने महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किया। जैसे ही हमलोग सरकार में आए तब से सबके लिए काम किया है। बिहार के विकास में हमलोग लगे हुए हैं और तेजी से काम हो रहा है। शुरू से ही शिक्षा के क्षेत्र में, स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया। बड़े पैमाने पर सड़क और पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया। महिलाओं को पंचायती राज व्यवस्था और नगर निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत हमलोगों ने आरक्षण दिया। नौकरी में महिलाओं के लिए कम से कम 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया। अब महिलाएं काफी पढ़ने लगी हैं और काफी आगे बढ़ने लगी हैं। महिलाओं के लिए कई अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय-1 के अंतर्गत हमलोगों ने हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, पक्की गली नाली का निर्माण, हर घर शौचालय तथा टोलों को भी पक्की सड़क से जोड़ने का काम किया। अभी हाल में कुछ नई बसावटें और कुछ नये घर बन रहे हैं उनके लिए भी हमलोग काम कर रहे हैं और तय कर दिया है कि इसी साल के जून महीने तक बाकी सब काम हो जायेगा। सात निश्चय 2 के अंतर्गत भी सभी योजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। युवक-युवतियों को सरकारी नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। पिछले साल के अंत में और इस वर्ष के जनवरी-फरवरी माह में सब जगह हमलोग गए हैं। उसमें हमलोगों ने देखा कि कहीं कोई कमी या कोई गड़बड़ तो नहीं है। उसके बाद हमलोगों ने 50 हजार करोड़ रुपए के व्यय से 430 नई योजनाओं की कैबिनेट से स्वीकृति दी और उस पर काम शुरू हो गया है। बिहार के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा कई बड़े कार्य किए जा रहे हैं। चुनाव के बाद बनी नई सरकार ने जुलाई 2024 के बजट में भी बिहार के विकास हेतु आर्थिक सहायता की घोषणा की। फरवरी 2025 के केंद्रीय बजट में बिहार में मखाना बोर्ड, एयरपोर्ट की स्थापना, पश्चिमी कोशी नहर के लिए वित्तीय सहायता आदि की घोषणा की गई।

नीतीश सरकार ने उच्च ...

एक बार फिर बिहार में चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सीएम नीतीश कुमार ने सवर्ण जातियों के विकास के लिए आयोग का गठन किया है। भाजपा नेता महाचंद्र सिंह को आयोग का अध्यक्ष और जेडीयू नेता राजीव रंजन प्रसाद को उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके एक दिन पहले ही जेडीयू नेता गुलाम रसूल को बिहार का अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। खास बात ये है सीएम का ये फैसला पीएम मोदी के दौरे के ठीक बाद हुआ है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बिहार के काराकाट में जनसभा थी। इस जनसभा के बाद ही इस आयोग को लेकर अधिसूचना जारी की गई है। सीएम नीतीश का ये फैसला सवर्ण वर्ग के हितों को साधने और उनकी आवाज को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा राजनीतिक कदम माना जा रहा है। आयोग का पहला अध्यक्ष भाजपा के वरिष्ठ नेता महाचंद्र सिंह को नियुक्त किया गया है, जबकि जेडीयू के राजीव रंजन प्रसाद आयोग के उपाध्यक्ष बनेंगे। यह नियुक्ति आगामी चुनावों में दोनों पार्टियों की सहयोगात्मक रणनीति को दर्शाती है।

मणिपुर : राहत शिविरों ...

चल रही योजनाओं की जानकारी दी। राज्यपाल ने इन प्रयासों की सराहना की और अधिकारियों को और अधिक प्रयास करने के निर्देश दिए ताकि विस्थापित लोगों को बेहतर सहायता मिल सके। राज्यपाल ने एक अलग बैठक में बाढ़ से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने राज्य के कुछ महत्वपूर्ण इलाकों में जल निकासी प्रबंधन प्रणाली की स्थिति पर भी चर्चा की, ताकि बाढ़ से निपटने के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाए जा सकें। गौरतलब है कि मई 2023 से इंफाल घाटी के मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों के कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इनमें से कई लोग अब राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। राज्यपाल ने इस संवेदनशील स्थिति में अधिकारियों को लोगों की मदद में कोई कोताही न बरतने की सख्त हिदायत दी है।

असम-मेघालय के ...

बाढ़ की बार-बार होने वाली समस्या ने लोगों में चिंता पैदा कर दी है, तथा पर्यावरणविदों ने भी अनियमित पहाड़ी कटाई और भूमि क्षरण को इसके लिए प्रमुख कारण बताया है। 2 जून की बैठक में दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है और इसमें पर्यावरण की दृष्टि से उचित तथा पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए रोडमैप तैयार किया जा सकता है।

खड़गे, राहुल ने असम ...

नवगठित असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की। एक्स पर एक पोस्ट में, वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी के नेतृत्व में, आने वाले वर्ष के लिए हमारी योजनाओं को तैयार करने के लिए नवनियुक्त असम पीसीसी नेतृत्व टीम के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि असम में, एक अत्याचारी, भ्रष्ट और बेहद विभाजनकारी सीएम के तहत, लोग हर एक दिन पीड़ित हैं। कांग्रेस के पास ईमानदार, जनहितैषी शासन देने की समृद्ध विरासत है और हमें विश्वास है कि 2026 में, लोग हिमंत सरकार को उसके अहंकारी और विनाशकारी कार्यकाल के लिए बाहर कर देंगे। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए गोगोई ने कहा कि असम (कांग्रेस) अध्यक्ष के रूप में यह मेरे लिए एक प्रेरणादायक क्षण था। मुझे शीर्ष नेतृत्व से दिशा-निर्देश मिले और संगठन को नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने का मेरा संकल्प और भी मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, जितेंद्र सिंह ने हमें एक लक्ष्य दिया है- मिशन 2026. इस लक्ष्य के जरिए असम में भ्रष्टाचार, लूट और सांप्रदायिक राजनीति करने वाली सरकार को हटाना है। एक सवाल के जवाब में गोगोई ने कहा कि असम के लोगों को नौकरी चाहिए, बंदूक नहीं और बीजेपी सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं को बंदूकें देगी। स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों को परेशान किया जाएगा. ईमानदार व्यापारियों को डराने-धमकाने और गुप्त हत्याओं के बुरे दिन फिर से आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मिशन 2026 असम और उसके लोगों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय दिलाएगा। गोगोई ने कहा कि कोयला सिंडिकेट के भ्रष्टाचार ने असम में बहुत सारी समस्याएं पैदा की हैं। सामाजिक तनाव है और अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) की अनदेखी की जा रही है। उनके सपनों को नजरअंदाज किया जा रहा है। लोगों को अब कांग्रेस से उम्मीदें हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, सिंह ने कहा कि बैठक में, उन्होंने असम में आगामी चुनाव के बारे में पार्टी की नीतियों पर चर्चा की। कांग्रेस की ऊर्जावान, नई टीम असम में बदलाव लाने जा रही है। असम की सबसे भ्रष्ट और अनैतिक भाजपा सरकार अब कुछ ही दिनों की मेहमान है। हमने देखा है कि जब से असम कांग्रेस की नई टीम बनी है, असम के सीएम और पूरी भाजपा ने अपना संतुलन खो दिया है। 2026 असम में बदलाव का साल होने जा रहा है, कांग्रेस जनता के समर्थन के साथ आ रही है, उन्होंने कहा।

गौहाटी हाईकोर्ट ने दो ...

कि अधिकारियों ने 25 मई को पुलिस स्टेशन बुलाए जाने के बाद से दोनों भाइयों के ठिकाने का विवरण देने से इनकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान राज्य के वकील जे पायेंग ने कहा कि सिद्दीक और अली को हिरासत में लिया गया है और वे अब असम सीमा पुलिस की हिरासत में हैं। वर्ष 2017 में, दोनों भाइयों को विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद उन्हें ग्वालपाड़ा के एक नजरबंदी शिविर में भेज दिया गया था, क्योंकि वे यह साबित करने के लिए दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहे थे कि वे या उनके पूर्वज 24 मार्च, 1971 से पहले देश में आए थे, जो कि 1985 के असम समझौते द्वारा तय की गई कट-ऑफ अवधि थी। उन्हें 2020 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया था कि जो लोग दो साल से अधिक समय से हिरासत में हैं उन्हें जमानत पर रिहा किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि दोनों व्यक्तियों को कानून के तहत उपलब्ध सभी कानूनी उपायों का सहारा लेने का अवसर नहीं मिला और इस तरह के निर्णय के निर्णायक होने से पहले पीछे हटना संविधान द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकारों से मनमाने ढंग से वंचित करने के समान है। विदेशी न्यायाधिकरण अर्ध-न्यायिक निकाय हैं, विशेष रूप से असम में, जो यह निर्धारित करने के लिए स्थापित किए गए हैं कि क्या भारत में रहने वाला कोई व्यक्ति 1964 के विदेशी (न्यायाधिकरण) आदेश के आधार पर 1946 के विदेशी अधिनियम के तहत परिभाषित *विदेशी* है। ये न्यायाधिकरण नागरिकता और भारत में विदेशियों की उपस्थिति से संबंधित मामलों पर विचार करने के लिए बनाए गए हैं, तथा विशेष रूप से उन मामलों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जहां किसी व्यक्ति पर अवैध अप्रवासी होने का संदेह हो। 1964 का विदेशी (न्यायाधिकरण) आदेश पूरे देश में लागू है। विदेशी न्यायाधिकरण मुख्य रूप से असम से जुड़े हैं और यहीं काम करते हैं, खास तौर पर राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और उससे जुड़े मुद्दों के संदर्भ में। पूरे राज्य में 100 विदेशी न्यायाधिकरण हैं।

कृषि में तकनीक ...

गया था, गडकरी जिसके मुख्य संरक्षक हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गांवों और क्षेत्रों में जो किसान उन्नत तरीके से खेती कर रहे हैं, उन्हें आगे बढ़कर अन्य किसानों का मार्गदर्शन करना चाहिए और खेती के नए तरीके सिखाने चाहिए जिससे उत्पादन बढ़ाया जा सके। साथ ही उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ाने से जमीन की गुणवत्ता बेहतर होती है, वैसे ही नई तकनीकें अपनाकर किसान कम लागत में ज्यादा गुणवत्ता वाला उत्पादन कर सकते हैं। नितिन गडकरी ने आगे कहा कि किसानों की मदद के लिए कृषि उपकरण बैंक बनाए जाने चाहिए ताकि छोटे और मध्यम किसानों को मशीनों की सुविधा सुलभ हो सके। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि एग्रोविजन फाउंडेशन किसानों को भूमि परीक्षण, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण के माध्यम से सहायता प्रदान करता है। इसका उद्देश्य विदर्भ क्षेत्र में किसानों की आत्महत्याएं रोकना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

जम्मू-कश्मीर का विकास...

गई। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया पाकिस्तान के हमले की निंदा कर रही है। भारतीय सशस्त्र बलों ने नौ पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को नष्ट करके मुंहतोड़ जवाब दिया और परिणामस्वरूप उन्हें संघर्ष विराम के लिए आगे आना पड़ा। अमित शाह ने आगे कहा कि 7 मई की रात को भारतीय सशस्त्र बलों ने एक निर्णायक अभियान चलाया, जिसमें आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि यह करोड़ों भारतीयों की ओर से आतंकियों को करारा जवाब था। इस ऑपरेशन में सैकड़ों आतंकी मारे गए। उन्होंने कहा कि हमने आतंकियों पर हमला किया, लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। उन्होंने दुनिया को दिखा दिया कि वह ही आतंकियों को पनाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने संदेश दिया है कि भारत निर्दोष नागरिकों, भारतीय सशस्त्र बलों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और हर हमले का और अधिक सटीकता के साथ जवाब दिया जाएगा। गृह मंत्री ने खानेतर में यूनिट मुख्यालय में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से भी बातचीत की और ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका की प्रशंसा की। शाह ने गोलाबारी में क्षतिग्रस्त धार्मिक स्थलों का दौरा किया और अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का विकास जो 2014 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के तहत शुरू हुआ था। हालिया उकसावे के बावजूद जम्मू-कश्मीर का विकास न रुकेगा, न धीमा होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों को *कड़ी और निर्णायक* प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।

देशभर में तेजी ...

ऑक्सीजन की व्यवस्था कर ली गई है। गुरुग्राम में भी कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को 3 नए केस मिले, और पिछले 10 दिन में कुल 16 मरीज मिले हैं। आज के मरीज सेक्टर-53, सेक्टर-24 और सेक्टर-83 से हैं। नोएडा में एक्टिव केस की संख्या अब 19 हो गई है, जिसमें 11 महिलाएं और 8 पुरुष शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री और संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटा रहा है। डॉक्टरों ने लोगों से मास्क पहनने, सैनिटाइजर इस्तेमाल करने और भीड़भाड़ से दूर रहने की सलाह दी है। मेरठ में भी एक नया केस मिला है। दिल्ली में पढ़ाई करने वाली 25 साल की एक लड़की कोरोना पॉजिटिव पाई गई है। उसे बुखार और पेट दर्द की शिकायत के बाद जांच की गई थी। झारखंड में दो नए केस मिले हैं, जिससे वहां कुल संक्रमितों की संख्या 3 हो गई है। कर्नाटक में भी कोरोना की स्थिति चिंताजनक है। वहां कुल 126 एक्टिव केस हैं। बेलगावी जिले में कोरोना से एक बुजुर्ग की मौत हो चुकी है। यह राज्य में हाल ही में हुई दूसरी मौत है। बुजुर्ग पहले से ही कई बीमारियों से पीड़ित थे और इलाज के दौरान उनकी मौत हुई।

उत्तरी सिक्किम वाहन ...

यात्री भारत के विभिन्न राज्यों से सिक्किम घूमने आए पर्यटक थे और लाचेन से लाचुंग जा रहे थे। दुर्घटना की सूचना मिलने पर चुंगथांग पुलिस और अन्य बचाव दल दुर्घटना स्थल पर पहुंचे और खोज एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान दो यात्रियों ओडिशा के जजपुर निवासी साईराज जेना (17) और स्वयम् सुप्रतिम नायक (17) को गंभीर हालत में दुर्घटनास्थल से बचा लिया गया। इन्हें चुंगथांग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद राजधानी के एसटीएनएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन उत्तर सिक्किम के सिंघिक, मंगन निवासी पासांग डी. शेरपा चला रहे थे। पुलिस के अनुसार अन्य लापता पर्यटकों में ओडिशा के जजपुर निवासी इश्तिरी जेना (46), अजित कुमार नायक (45), सुनिता नायक (42) शाहिल जेना (21), उत्तर प्रदेश निवासी अंकिता सिंह (26) और कौशलेंद्र प्रताप सिंह (32) तथा त्रिपुरा निवासी स्वपनिल देव (26) और देवज्योति जोय देव (26) हैं। चुंगथांग पुलिस, आईटीबीपी, सेना, एनडीआरएफ और स्थानीय लोग आज पूरे दिन खोज एवं बचाव अभियान में लगे रहे। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को नदी से निकाला गया। वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। मंगन जिले के जिलापाल अनंत जैन, पुलिस अधीक्षक सोनम डी. भोटिया, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के डीपीओ कर्मा दोरजी वजीलिंगपा आज दुर्घटना स्थल पर पहुंचे और खोज एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। आज के लिए खोज और बचाव अभियान स्थगित कर दिया गया है।

अमूल्य सेवा के लिए...

करुणा का सम्मान किया जाता है। ये प्रतिष्ठित पुरस्कार पंजीकृत नर्सों, दाइयों, सहायक नर्स दाइयों और केंद्र और राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और स्वैच्छिक संगठनों में सेवारत महिला स्वास्थ्य आगंतुकों को दिए जाते हैं। अधिकारियों के अनुसार, केंद्र ने देश भर में नर्सिंग और मिडवाइफरी पेशे की मजबूती के लिए परिवर्तनकारी कदम उठाए हैं। नर्सिंग शिक्षा और नियामक ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए हालिया ही राष्ट्रीय नर्सिंग और मिडवाइफरी आयोग अधिनियम अधिनियमित हुआ। इसके अलावा अतिरिक्त, मेडिकल कॉलेजों के साथ 157 नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना से कुशल और सक्षम नर्सिंग कार्यबल को बढ़ावा मिलेगा। ये पहल सामूहिक तौर से एक मजबूत स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का राह पक्की करती है। इसके साथ ही सुसज्जित और सशक्त नर्सिंग कार्यबल से सभी नागरिकों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम पुख्ता करती हैं।

असम का पहला वन्यजीव ...

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि जहां विज्ञान संरक्षण से मिलता है। असम का पहला वन्यजीव स्वास्थ्य और अनुसंधान संस्थान दिनजान में 250 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा है।

दिल्ली में उद्योग भवन ...

उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में स्थित है, जहां संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और कई अन्य केंद्रीय सरकारी कार्यालय और मंत्रालय स्थित हैं। इस भवन में भारी उद्योग मंत्रालय और अन्य सरकारी विभाग स्थित हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय सचिव ने सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के सहायक कमांडेंट को तत्काल और उचित कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए निर्देश जारी किया। एहतियात के तौर पर भवन को खाली करा लिया गया। क्षेत्र में और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अधिकारी सभी आवश्यक एहतियात बरत रहे हैं। इस बीच, शुक्रवार को चंडीगढ़ पुलिस को बम की धमकी वाला एक और कॉल आया, जिसके बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री कार्यालय और अन्य प्रमुख सरकारी स्थलों के आसपास हाई अलर्ट जारी कर दिया गया।

जोराबाट में दूसरे दिन भी जल जमाव से राष्ट्रीय राजमार्ग ठप

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी गुवाहाटी समेत पूरे राज्य में पिछले दो दिनों से मूसलाधार बारिश कि वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गुवाहाटी के अनेक इलाकों में सड़क और गलियों में रबर की नावें चलाई जा रही हैं। इस कड़ी में गुवाहाटी के बाहरी इलाका जोराबाट में आज दूसरे दिन भी राष्ट्रीय राजमार्ग 27 और 6 पर यातायात पूरी तरह से प्रभावित रहा। ज्ञात हो कि जोराबाट मेघालय और ऊपरी असम को गुवाहाटी महानगर को जोड़ने वाला मुख्य बिंदु है। राष्ट्रीय रजमार्ग पर बने फ्लाई ओवर के नीचे भारी जल भराव से वाहनों का परिचालन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। मूसलाधार बरसात के बाद जोराबाट और इसके आसपास के इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई जगह जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो गई। जोराबाट तीनाली में फ्लाई ओवर के नीचे जल जमाव की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग 27 और 6 के ऊपर 4 से 5 फीट तक पानी भर जाने की वजह से इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से ही हजारों वाहन जाम में फंसे हुए हैं। ऊपरी असम, गुवाहाटी और शिलांग की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। जोराबाट के अलावा 8 माइल, 9 माइल, 10 माइल, 11 माइल, 12 माइल आदि इलाकों में राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी जल जमाव की वजह से यातायात प्रभावित हुआ है। उल्लेखनीय है कि 2016 के बाद जोराबाट इलाके में जल जमाव की समस्या उत्पन्न हुई। जब से राष्ट्रीय राजमार्ग पर फोर लेन का काम शुरू हुआ तब से ही इस इलाके में जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो गई। फोर लेन के निर्माण के समय राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों छोरों पर नालों को सही तरीके से नहीं बनाया गया जिसकी वजह से मेघालय का पानी सीधे असम में आने का आरोप लगाया जाता है। मेघालय और असम पुलिस की टीम लगातार जाम में फंसे वाहनों को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है । लेकिन जल जमाव इतना है कि कोई भी वाहन एक इंच भी आगे नहीं बढ़ पा रहा है। वहीं जल जमाव में दर्जनों वाहन फंस गए जिसकी वजह से वाहनों में तकनीकी खराबी आ गई। घंटो जाम में लगे रहने की वजह से काफी लोगों की ट्रेन और फ्लाइट छूट गई।

गोलकगंज पुलिस की छापेमारी में गौ-तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हि.स.)। गोलकगंज पुलिस द्वारा गौ-तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान 6 गायों को तस्करों के कब्जे से छुड़ाने के साथ ही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज तड़के एक गुप्त सूत्र के आधार पर गोलकगंज थाना प्रभारी देबजीत कलिता के निर्देश पर सहायक उप निरीक्षक संजीव नाथ के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने यह अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने गोलकगंज के उत्तर रायपुर प्रथम खंड के रेल गेट के पास एक छह चक्का वाहन (एएस-17सी-5410) को रोका। वाहन की तलाशी के दौरान पुलिस ने 6 गायों को बरामद किया। इस मामले में अब्बास अली नामक एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि गायों को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिलांतर्गत बक्सीहाट के चंडीपटी से गौरीपुर ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार गौ-तस्कर अब्बास अली का घर गोलकगंज थाना क्षेत्र के छगलिया के द्वितीय खंड में है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मंत्री रंजीत कुमार दास ने कोकराझाड़ में प्रख्यात बोड़ो कलाकारों को सम्मानित किया

बीटीसी प्रमुख की दूरदर्शी पहल ने बोड़ो कलाकारों को लंबे समय से प्रतीक्षित पहचान दिलाई

कोकराझाड़। राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पर्यटन और अन्य विभागों के मंत्री रंजीत कुमार दास ने आज कोकराझाड़ में एक ऐतिहासिक सम्मान समारोह में भाग लिया, जिसमें 1955-1986 के दौरान राष्ट्रीय मंच पर बोड़ो परंपरा का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रख्यात कलाकारों को सम्मानित किया गया। चंदामारी में बोड़ोफा सांस्कृतिक परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन दुलाराई बोड़ो हरिनी अफाद (डीबीएचए) और बोड़ो रेडियो और टेलीविजन कलाकार संघ (बीआरटीएए) ने बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) सरकार के सहयोग से किया था। इस पहल की सराहना करते हुए, मंत्री ने इस तरह के एक अभिनव और प्रेरक कार्यक्रम की अवधारणा के लिए बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोड़ो की हार्दिक सराहना की, और कहा कि इस तरह के मॉडल को जिलों और स्वायत्त परिषदों में दोहराया जाना चाहिए। उन्होंने इस आयोजन को सांस्कृतिक विरासत को मान्यता देने में एक *नया मील का पत्थर* बताया। कोकराझाड़ के परिवर्तन पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय था जब लोग कोकराझाड़ जाने से हिचकिचाते थे। आज, यह क्षेत्र शांति और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का प्रतीक है। यह परिवर्तन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और बीटीसी प्रमुख श्री प्रमोद बोड़ो की दूरदर्शिता और समर्पित प्रयासों के कारण संभव हुआ है। सभा को संबोधित करते हुए, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने बीटीआर के लोगों के शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास के उद्देश्य से वर्तमान सरकार की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला, जैसे कि बोड़ोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म सुपर 50 मिशन, पीएचडी उम्मीदवारों के लिए डॉ. बंशीराम बारो फेलोशिप, सांस्कृतिक संगठनों के लिए अनुदान सहायता और पूरे बीटीआर में सांस्कृतिक हॉल का निर्माण। कार्यक्रम की शुरुआत बोड़ो साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. सुरथ नरजारी द्वारा इन बोड़ो कलाकारों की यात्रा को दर्शाती एक पुस्तक के विमोचन के साथ हुई। इसके तुरंत बाद 1972 के दिल्ली एशियाई मेले में प्रदर्शन करने वाले सम्मानित कलाकारों द्वारा एक विशेष बागुरुम्बा प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों को उनकी कलात्मक यात्रा की एक पुरानी झलक प्रदान की। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो, राज्यसभा सांसद रणगौड़ा नार्जारी, लोकसभा सांसद जोयंत बसुमतारी, बीटीसी उप प्रमुख गोबिंद चंद्र बसुमतारी, राज्य मंत्री यू जी ब्रह्म, एमसीएलए रेओ रेओआ नार्जारी और माधव चंद्र छेत्री, विधायक लॉरेंस इस्लेरी, ईएम के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी और सांस्कृतिक हस्तियां शामिल थीं।

अलग-अलग अभियानों में भारी मात्रा में हेरोइन जब्त, चार गिरफ्तार

सिलचर (हि.स.)। कछार पुलिस द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में भारी मात्रा में हेरोइन जब्त किया गया। अभियान के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। कछार पुलिस मुख्यालय द्वारा शुक्रवार को दी गयी जानकारी के अनुसार सोनाई और सिलचर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दो अलग-अलग घटनाओं में कुल चार लोगों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में संदिग्ध हेरोइन बरामद किया गया है। प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर सोनाई थाना क्षेत्र के मोतीनगर रोड स्थित तालुग्राम पार्ट-1 में एक वाहन (एएस- 11 एबी 7330) को रोका गया। तलाशी के दौरान वाहन से 5 साबुनदानी बरामद हुईं, जिनमें कुल 60.02 ग्राम संदिग्ध हेरोइन पाई गई। इस मामले में गुलाम आजाद बरभुइयां (39) को हिरासत में लिया गया है। एक अन्य घटना में विशेष सूचना के आधार पर औलिया, सोनाई रोड पर एक ई-ऑटोरिक्शा (एएस-11एफसी-5519) को रोका गया। तलाशी के दौरान उसमें सवार तीन व्यक्तियों को कुल 13 साबुनदानियों में लगभग 147 ग्राम संदिग्ध हेरोइन के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान फखर उद्दीन लस्कर (56, चालक), अब्दुल माजिद (35) तथा माजिदा बेगम (30) के रूप में हुई है। जब्त किए गए हेरोइन की कीमत काले बाजार में तीन करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। पुलिस द्वारा इन दोनों मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस ने इसे नशा कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता बताया है।

राजभवन, असम ने गोवा राज्य स्थापना दिवस मनाया

गुवाहाटी। एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत तथा विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य स्थापना दिवसों के माध्यम से विविधता में एकता की भावना का सम्मान करने के लिए, राजभवन, असम ने आज यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में गोवा राज्य स्थापना दिवस मनाया। यह कार्यक्रम असम और गोवा के बीच समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थायी बंधन को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया गया, जिसमें एकता, प्राकृतिक प्रचुरता और सांस्कृतिक जीवंतता के साझा लोकाचार पर प्रकाश डाला गया। आयुक्त और राज्यपाल के सचिव एस.एस. मीनाक्षी सुंदरम ने अपने स्वागत भाषण में राज्यों के बीच राष्ट्रीय एकीकरण और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने के तरीके के रूप में राज्य स्थापना दिवस मनाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने असम और गोवा की प्राकृतिक सुंदरता और संसाधनों के बीच समानताएं भी बताईं, और कहा कि उनकी पर्यावरणीय और सांस्कृतिक संपदा दूर-दूर तक के पर्यटकों के लिए एक खजाना है। उन्होंने यह भी कहा कि यह समारोह अंतर-राज्यीय सद्भाव को बढ़ावा देने और राष्ट्र की सामूहिक पहचान में हर क्षेत्र के अद्वितीय योगदान को मान्यता देने के लिए राजभवन असम की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। सेंट जेवियर्स स्कूल, पामोही के प्रिंसिपल फादर मिल्डन डिसूजा ने अपने संबोधन में गोवा में जीवन को परिभाषित करने वाली एकता की गहरी भावना पर जोर दिया। उन्होंने राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि और एकजुटता के मूल्यों पर विचार किया जो इसके लोगों को बांधते हैं। समारोह में ओएसडी राजभवन प्रो. बेचन लाल के साथ राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी ने मनाया 23वां स्थापना दिवस

रंगिया (विभास)। रंगिया के मोरानजना स्थित सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी ने शुक्रवार को अपना 23वां स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर कमांडेंट एच.के. गुप्ता की उपस्थिति में वाहिनीं प्रागंण में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम कमांडेंट एच.के. गुप्ता तथा बल वाहिनीं के सभी अधिकारियों और कार्मिकों ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात कमांडेंट गुप्ता द्वारा दीप प्रज्जवलित कर तथा केक काटकर समारोह का शुभांरभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान सशस्त्र सीमा बल के शहीद जवान नकुल चंद मेधी की माता को स्मृति चिंह भेट कर सम्मानित किया गया। कमांडेंट एच.के. गुप्ता ने अपने संबोधन में सभी बलकर्मियों को स्थापना दिवस की शुभकामंनाए दी तथा इसके इतिहास एवं उपलब्धियों के बारे में सभी को अवगत कराया। उन्होंने बल के प्रति निष्ठा एवं कर्तव्य परायणता की सराहना करते हुए सभी बल कर्मियों को वाहिनीं एवं बल की उन्नति हेतु हर संभव प्रयास करते रहने का आह्वान किया। समारोह के दौरान वाहिनीं मुख्यालय प्रांगण में विभिन्न खेल-कूद व बैंड डिस्पले आदि का भी आयोजन किया गया। बल वाहिनीं के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित बड़ा खाना में 24वीं वाहिनीं तथा सशस्त्र सीमा बल, क्षेत्रक मुख्यालय के अधिकारी, कार्मिक, उनके परिवार के सदस्य तथा शहीद नकुल चंद मेधी के परिवारजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में द्वितीय कमान अधिकारी जसबीर सिंह द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारीगण, कार्मिको एवं उनके परिवारजनों का आभार व्यक्त किया।

धुबड़ी में मंत्री रंजीत दास ने बैठक की

धुबड़ी। पंचायत, ग्रामीण विकास, न्याय, सामान्य प्रशासन और जिला अभिभावक मंत्री रंजीत कुमार दास ने आज धुबड़ी आवर्त भवन के बैठक कक्ष में जिले के पंचायत और ग्रामीण विकास और असम राज्य आजीविका मिशन के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक में भाग लिया। बैठक में धुबड़ी जिला आयुक्त दिवाकर नाथ, अतिरिक्त आयुक्त जगदीश ब्रह्म, अतिरिक्त आयुक्त बंती तालुकदार और शांतना बोरा, असम राज्य शहरी आजीविका मिशन के अधिकारी और कर्मचारी, समाज कल्याण, चाय जनजाति और आदिवासी कल्याण विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए। यह योजना गृह और शहरी मामलों के विभाग के तहत असम राज्य शहरी आजीविका मिशन के तहत कार्यान्वित की जा रही है। स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को 10,000 रुपए की पूंजी प्रदान की जाती है ताकि लाभार्थियों को नया व्यवसाय शुरू करने या अपने मौजूदा व्यवसाय का विस्तार करने में मदद मिल सके। वर्तमान में, धुबड़ी जिले के 6 शहरी स्थानीय निकायों क्रमशः धुबड़ी, गौरीपुर, गोलकगंज, शापटग्राम, विलासीपाड़ा और चापर को 16,755 फॉर्म वितरित किए गए। सत्यापन के बाद कुल 14,492 आवेदन स्वीकार किए गए हैं। इसके बाद, मुख्यमंत्री की अति काली दुति पाट योजना का अवलोकन किया गया।

तामुलपुर में असम लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारियों पर चर्चा

तामुलपुर। नवगठित तामुलपुर जिले में रविवार, 15 जून को असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) संयुक्त प्रतियोगी (प्राथमिक) परीक्षा यानी सीसी (पी) आयोजित की जाएगी। इसलिए, परीक्षा की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए आज जिला आयुक्त कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। असम लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष देवराज उपाध्याय मुख्य अतिथि थे। बैठक में जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने भाग लिया, जिन्होंने कहा कि परीक्षा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए असम लोक सेवा आयोग के निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक उपाय किए गए हैं। अध्यक्ष ने आगामी परीक्षा के नियमों और विनियमों पर भी विस्तार से चर्चा की। एसपी दिगंत कुमार चौधरी ने कहा कि प्रशासन कानून और व्यवस्था के प्रति सचेत है। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा पेपर दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लाने की अनुमति नहीं होगी और उन्हें केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पेन का उपयोग करने की अनुमति होगी। परीक्षा तामुलपुर हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित की जाएगी। सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विजय बेजबरुआ ने बताया कि बैठक में जिला प्रशासन के अधिकारी और परीक्षा से जुड़े अधिकारी शामिल हुए।

बटद्रवा के हादसे में बाइक सवार की मौत

नगांव (हि.स.)। बटद्रवा डुमडुमिया को जोड़ने वाले मार्ग के रामपुर सत्र इलाके में एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मृतक मोटरसाइकिल से डुमडुमिया की ओर जा रहा था, तभी निर्माणाधीन एक नए कलवर्ट के किनारे असंतुलित होकर गिर पड़ा। टकराव इतना तेज था कि व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस संस्था द्वारा यह निर्माण कार्य किया जा रहा है, उसने रास्ते पर किसी प्रकार का चेतावनी चिह्न नहीं लगाया था। इसी लापरवाही के कारण यह दुर्घटना घटी। घटना की सूचना मिलते ही बटद्रवा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अंतिम सूचना मिलने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नशीले पदार्थों का कारोबारी पुलिस की हिरासत में

रंगिया (विभास)। नशे के कारोबार के खिलाफ रंगिया पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान में लगातार सफलताएं मिल रही है। गुरुवार को प्रातः रंगिया थाना के प्रभारी नवजीत नाथ और नगर परिदर्शक बिष्णु ज्योति बोरा द्वारा गोपनीय सूत्रों के आधार पर रंगिया के बालागांव से एचपी 12 आर 4214 नंबर की एक ट्रक के चालक कुलदीप सिंह को 84 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार करने के बाद उसके कबूलनामे के आधार पर पुलिस ने नशीले पदार्थों का व्यापार चलाने के आरोप मे रंगिया उदियाना के निवासी ममतुल अली को हिरासत में लिया है।

पूसीरे ने प्लास्टिक-मुक्त रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए शुरू किया अभियान

गुवाहाटी (हि.स.)। पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने अपने परिसरों से प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने और कुछ प्रमुख रेलवे स्टेशनों को प्लास्टिक-मुक्त बनाने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। यह पहल 29 मई को पूसीरे मुख्यालय मालीगांव में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान औपचारिक रूप से शुरू की गई, जो विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान का हिस्सा है। बैठक में पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, सभी विभागों और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारियों तथा विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी (आईआईटीजी) के प्रोफेसर विमल कटियार की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि यह अभियान एनएफआर द्वारा 22 मई से 05 जून तक चलाए जा रहे विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के व्यापक कार्यक्रम का हिस्सा है और भारतीय रेलवे के स्वच्छ भारत मिशन तथा पर्यावरणीय स्थिरता लक्ष्यों के अनुरूप है। इस पहल का उद्देश्य व्यवहारिक बदलाव लाना, एकल-उपयोग प्लास्टिक को समाप्त करना और स्टेशन परिसरों में टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा देना है। बैठक के दौरान प्रोफेसर विमल कटियार ने *पूसीरे में प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करना और 5 स्टेशनों को प्लास्टिक-मुक्त बनाना* विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया। उन्होंने प्लास्टिक कचरे से होने वाले पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी खतरों पर प्रकाश डाला और प्रणालीगत व व्यवहारिक परिवर्तन की तात्कालिक आवश्यकता पर बल दिया। प्रोफेसर कटारिया ने प्लास्टिक के व्यावहारिक विकल्प प्रस्तुत किए और बताया कि किस प्रकार भारतीय रेलवे टिकाऊ सार्वजनिक अवसंरचना का एक आदर्श मॉडल बन सकता है। कार्ययोजना के तहत, एनएफआर जन-जागरूकता अभियान चलाएगा, विक्रेताओं को जागरूक करेगा और राज्य प्राधिकरणों व स्थानीय महिला-नेतृत्व वाली उद्यमों, जैसे कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान (एमएमयूए) से समन्वय करेगा। इन साझेदारियों का उद्देश्य *वन स्टेशन वन प्रोडक्ट* (ओएसओपी) स्टॉलों के माध्यम से जैविक उत्पादों की सतत आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करना है। विक्रेताओं को पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग समाधान अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा और प्रत्येक स्टेशन पर प्रगति की निगरानी के लिए एक विशेष कार्य बल नियुक्त किया जाएगा। इस मिशन के तकनीकी भागीदार के रूप में आईआईटी गुवाहाटी स्वदेशी मशीनरी की स्थापना में सहयोग करेगा, जो जैविक वस्तुओं के उत्पादन और वितरण में सहायक होगी। ये विकल्प धीरे-धीरे यात्रियों और विक्रेताओं द्वारा उपयोग किए जा रहे प्लास्टिक उत्पादों की जगह लेंगे। इसके तहत स्थानीय स्टार्टअप और निर्माता भी शामिल होंगे, जिससे इस अभियान को विस्तार, सामर्थ्य और दीर्घकालिक स्थिरता प्राप्त हो सकेगी। पूसीरे के महाप्रबंधक ने प्रोफेसर कटियार को उनके विचारों के लिए धन्यवाद दिया और एनएफआर की प्लास्टिक-मुक्त, पर्यावरण-जिम्मेदार रेलवे प्रणाली बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने सभी हितधारकों- रेलवे कर्मचारियों, विक्रेताओं, यात्रियों और स्थानीय समुदायों से इस हरित परिवर्तन में सक्रिय भागीदारी की अपील की। बैठक का समापन स्पष्ट कार्य बिंदुओं के साथ हुआ, जिनमें नोडल अधिकारियों की नियुक्ति, स्टेशन-विशिष्ट योजनाएं और आईआईटी गुवाहाटी के साथ समझौते की तैयारी शामिल है। यह अभियान पूसीरे की पर्यावरणीय नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और क्षेत्र व राष्ट्र के लिए एक स्वच्छ, हरित भविष्य के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

संपादकीय

शहरी खिड़कियों से हरियाली

नियमों में हिमाचल को बांधने की जरूरत, हर विभाग की दृष्टि में भविष्य के लिए, जरूरी है, फिर भी यहां फैसलों की अदालत के मजमून चुनावों की चरागाह में गुम कर दिए जाते हैं। लोग शहरी जीवन शैली के उत्पात और उत्पाद में हर जरूरत का मुलम्मा तो बनते हैं, लेकिन भविष्य की निगरानी में आवश्यक नियमों के खाके में आना नहीं चाहते। गांव को शहर, खेत को इमारतें, नदी-नालों को अतिक्रमण पहाड़ों को जेसीबी और आबोहवा को बेतरतीब विकास बर्बाद कर रहा है। ऐसे में अगर बात टीसीपी पर हो, तो गौर करना होगा। नगर एवं ग्राम योजना कानून के दायरों से बाहर हिमाचल का कद हर जगह बढ़ गया, लेकिन नागरिक समाज ने सामुदायिक जिम्मेदारी के एहसास को कहीं गिरवी रख दिया है। एक अजीब सी होड़ में हिमाचल आज जहां नए हिमाचल में खड़ा हो रहा है, वहां पर्वत का लहजा, पर्वत की उम्मीदों से टकरा रहा है। उम्मीदों में जरूरत-लहजे में विकास की कवायद और भविष्य में कुछ पाने की तमन्ना की जोर आजमाइश इतनी कि अब हरियाली के लिए सोचना पड़ रहा है। सोचना पड़ रहा है कि नई मनाली बनाते-बनाते हम पुरानी को कहां छोड़ आए। डलहौजी और कसौली की बाहों में कितना कंक्रीट भर पाए या मकलोडगंज में आकर किस खिड़की से अतीत को खोजें। बहरहाल, ऐसे प्रश्नों की खाल पहने संबंधित विभाग के कत्तव्य को नई चुनौतियों के समक्ष खड़ा करने के लिए टीसीपी मंत्री राजेश धर्माणी ने नए प्रयास शुरू किए हैं। इनके तहत शहरी विकास परियोजनाओं के मानदंड, मतलब और मंशा बदल रही यानी ग्रीन बेल्ट एरिया को सुनिश्चित करती भौगोलिक संरचना में शहरी एवं ग्रामीण विकास को रेखांकित करने पर कार्य होगा। शिमला के बाद कुल्लू और धर्मशाला के शहरी विकास के पांव में ग्रीन बेल्ट एरिया के घुंघरू बांधे जाएंगे ताकि कंक्रीट की चढ़ती परतें कहीं तो विश्राम करें। बिचार इस उद्देश्य से आगे बढ़ता है, तो निर्माण की आचार संहिता में शहर की सांसें बरकरार रहेंगी। क्षमता से अधिक निर्माण की वजह कई तरह की जरूरतें, महत्त्वकांक्षा और आर्थिक अवसरों का प्रसार है। टीसीपी कानून के मायनों को हिमाचल के भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक और मानवीय प्रगति के हर पहलू में समझना जरूरी है। हम भीड़ बन कर सोचते हैं, तो सारी सड़कों पर बाजार पैदा हो जाते हैं। हम आर्थिक विकास के रूप में शहर की क्षमता को खोदते हैं, तो पहाड़ दहशत है और घाटियों की तरफ निर्माण का पहाड़ उठता है। हम पर्यटन की मुनादी में धार्मिक शहरों को संकीर्ण गलियों में ले आए हैं, तो हिल स्टेशनों का शिकार करके हरियाली को सफाचट करके भौंडे और भयावह मंजर को करीब ले आए। ऐसे में शहरी विकास में नए शहर की खोज की होती, तो आधुनिक शहरों में बसने का उन्माद शरारत न करता। ऊना के आसपास अगर आज भी दो-ढाई लाख आबादी का शहर बसा दें, तो टूटते पहाड़ का कोहराम थम जाएगा। आश्चर्य यह कि वर्षों बाद शिमला व धर्मशाला के नजदीक उपग्रह शहरों के प्रस्तावित नक्शे को मात्र जमीन बना के समझा गया। बेशक ग्रीन बेल्ट पर निर्माण की पाबंदियां होनी चाहिएं, लेकिन पूरे हिमाचल को टीसीपी कानून के तहत समझना होगा। हिमाचल का हर चौक-चौराहा अगर व्यापारिक शहर बनने की प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ रहा है और गांव के खेत पर किसी का चौबारा खड़ा हो रहा है, तो हरियाली वहां से लेकर नदी-नालों की रखवाली तक चाहिए। अब वक्त आ गया है कि हम पूरे हिमाचल को टीसीपी के तहत विकास और निर्माण की मर्यादा सिखाएं। हमें प्रदेश में कम से कम आधा दर्जन विकास प्राधिकरण बना कर दो-तीन शहरों को एक साथ जोड़कर, भविष्य का विकास करना चाहिए। इस तरह शहर में शहर और गांव में गांव बचेगा, जबकि इनके साथ भविष्य के निर्माण देवाब भी साझी वर्तनदारी में बंट जाएंगे। अब एक साथ कई दायित्व कई शहरों और गांवों के बीच आपस में ही बंटने चाहिए।

> नगर एवं ग्राम योजना कानून के दायरों से बाहर हिमाचल का कद हर जगह बढ़ गया, लेकिन नागरिक समाज ने सामुदायिक जिम्मेदारी के एहसास को कहीं गिरवी रख दिया है। एक अजीब सी होड़ में हिमाचल आज जहां नए हिमाचल में खड़ा हो रहा है, वहां पर्वत का लहजा, पर्वत की उम्मीदों से टकरा रहा है। उम्मीदों में जरूरत-लहजे में विकास की कवायद और भविष्य में कुछ पाने की तमन्ना की जोर आजमाइश इतनी कि अब हरियाली के लिए सोचना पड़ रहा है। सोचना पड़ रहा है कि नई मनाली बनाते-बनाते हम पुरानी को कहां छोड़ आए। डलहौजी और कसौली की बाहों में कितना कंक्रीट भर पाए या मकलोडगंज में आकर किस खिड़की से अतीत को खोजें। बहरहाल, ऐसे प्रश्नों की खाल पहने संबंधित विभाग के कत्तव्य को नई चुनौतियों के समक्ष खड़ा करने के लिए टीसीपी मंत्री राजेश धर्माणी ने नए प्रयास शुरू किए हैं।

विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस -31 मई 2025

दुनिया नशे में झूम रही है, कैसे स्वास्थ्यक्रांति घटित करें

(ललित गर्ग

> आज हर तीसरा व्यक्ति विशेषत: महिलाएं किसी-न-किसी रूप में तम्बाकू को अपना चुकी है। बीड़ी-सिगरेट के अलावा तम्बाकू के छोटे-छोटे पाउचों से लेकर तेज मादक पदार्थों, औषधियों तक की सहज उपलब्धता इस आदत को बढ़ाने का प्रमुख कारण है। इस दीवानगी को ओढ़ने के लिए प्रचार माध्यमों ने भी भटकाया है। इसीलिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस-31 मई को दुनियाभर में मनाया जाता है। डब्ल्यूएचओ हर साल इस दिवस पर एक थीम निर्धारित करता है। साल 2025 की थीम 'अनमास्किंग द अपील: तम्बाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' है। यह दिवस तंबाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक जनजागृति अभियान एवं एक दुनियाभर में आयोज्य महत्वपूर्ण दिवस है। इसका उद्देश्य तंबाकू के सेवन के जोखिमों को उजागर करना और दुनिया भर के लोगों को धूम्रपान या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।

विश्व की गम्भीर समस्याओं में प्रमुख है तम्बाकू और उससे जुड़े नशीले पदार्थों का उत्पादन, तस्करी और सेवन में निरन्तर वृद्धि होना। नई पीढ़ी इस जाल में बुरी तरह कैद हो चुकी है। आज हर तीसरा व्यक्ति विशेषतः महिलाएं किसी-न-किसी रूप में तम्बाकू को अपना चुकी है। बीड़ी-सिगरेट के अलावा तम्बाकू के छोटे-छोटे पाउचों से लेकर तेज मादक पदार्थों, औषधियों तक की सहज उपलब्धता इस आदत को बढ़ाने का प्रमुख कारण है। इस दीवानगी को ओढ़ने के लिए प्रचार माध्यमों ने भी भटकाया है। इसीलिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस-31 मई को दुनियाभर में मनाया जाता है। डब्ल्यूएचओ हर साल इस दिवस पर एक थीम निर्धारित करता है। साल 2025 की थीम 'अनमास्किंग द अपील: तम्बाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' है। यह दिवस तंबाकू के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक जनजागृति अभियान एवं एक दुनियाभर में आयोज्य महत्वपूर्ण दिवस है। इसका उद्देश्य तंबाकू के सेवन के जोखिमों को उजागर करना और दुनिया भर के लोगों को धूम्रपान या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। बड़ा प्रश्न है कि एक नशेड़ी पीढ़ी का देश एवं दुनिया कैसे आदर्श हो सकती है? इस दुर्व्यसन के आदी लोग सुधरने को तैयार नहीं हैं। नशे की गंभीरता एवं विकरालता को देखते हुए साल 1987 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने एक प्रस्ताव पारित किया और हर 31 मई को विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस मनाने का फैसला किया गया। यह दिन सरकारों से तंबाकू के उपयोग से निपटने, सेकेंड हैंड धुएं के संपर्क को कम करने और स्वस्थ विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए नीतियों को मजबूत करने का आह्वान भी करता है। ऐसे दिवस को मनाने की उपयोगिता एवं सार्थकता तभी है जब नशे की अंधी गलियों में भटक चुके युवाओं को बाहर निकालना विश्व की हर सरकार का नैतिक एवं प्राथमिक कर्तव्य हो, क्योंकि युवा पीढ़ी नशे की गुलाम हो चुकी है। लेकिन यह विडम्बनापूर्ण है कि सरकारों के लिये यह दिवस कोरा आयोजनात्मक है, प्रयोजनात्मक नहीं। क्योंकि सरकार विवेक से नहीं, स्वार्थ से काम ले रही है। नशे की बुराइयों से लोगों को आगाह भी करती है और शराब, तम्बाकू, सिगरेट का उत्पादन भी बढ़ा रही है। राजस्व प्राप्ति के लिए जनता की जिन्दगी से खेलना क्या किसी लोककल्याणकारी सरकार का काम होना चाहिए? तंबाकू का सेवन व्यक्तिगत स्वास्थ्य और समाज दोनों पर घातक प्रभाव डालता है, जो कैंसर, हृदय रोग और श्वसन संबंधी समस्याओं जैसी रोकथाम योग्य बीमारियों का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। इस दिवस का लक्ष्य एक ऐसी दुनिया बनाना है जहाँ तम्बाकू निषेध का सकारात्मक वातावरण बने एवं कम लोग तम्बाकू से संबंधित बीमारियों से

पीड़ित हों। यह दिवस स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और भविष्य की पीढ़ियों को तम्बाकू के खतरों से बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। तम्बाकू का सेवन दुनिया भर में रोके जा सकने वाली मौतों के प्रमुख कारणों में से एक है, हर साल लाखों लोग तम्बाकू से जुड़ी बीमारियों की वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। इसके सेवन से होने वाली अनेक घातक एवं जानलेवा बीमारियों का व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। तम्बाकू सेवन के दीर्घकालिक परिणाम न केवल धूम्रपान करने वाले को प्रभावित करते हैं, बल्कि सेकेंड हैंड धुएं के संपर्क में भी योगदान करते हैं, जो बच्चों और कमजोर आबादी सहित धूम्रपान न करने वालों को नुकसान पहुंचाता है। आज छोटे-छोटे बच्चे एवं महिलाएं नशे के आदी हो चुकी हैं। वे ऐसे नशे करती है कि रुह कांपती है। नशा आज एक फैशन बन चुका है। नशे के कारण हम एक विकलांग एवं बीमार पीढ़ी का निर्माण हो रहा हैं। नशे की संस्कृति युवा पीढ़ी को गुमराह कर रही है। अगर यही प्रवृत्ति रही तो सरकार, सेना और समाज के ऊंचे पदों के लिए शरीर और दिमाग से स्वस्थ व्यक्ति नहीं मिलेंगे। प्रसिद्ध फुटबाल खिलाड़ी मैराडोना, पॉप संगीत गायक एल्विस प्रिंसले, तेज धावक बेन जॉनसन, युवकों का चहेता गायक माईकल जैक्सन, ऐसे कितने ही खिलाड़ी, गायक, सिनेमा कलाकार नशे की आदत से या तो अपनी जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं या बरबाद हो चुके हैं। नशे की यह जमीन कितने-कितने आसमान खा गई। विश्वस्तर की ये प्रतिभाएं कीर्तिमान तो स्थापित कर सकती हैं, पर नई पीढ़ी के लिए स्वस्थ विरासत नहीं छोड़ पा रही हैं।तम्बाकू का उपयोग एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है जो वैश्विक स्तर पर व्यक्तियों और समुदायों को प्रभावित करती है। यह अत्यधिक नशे की लत है, मुख्य रूप से निकोटीन की उपस्थिति के कारण, जिससे व्यक्तियों के लिए बिना सहायता के इसे छोड़ना बेहद मुश्किल हो जाता है। इसके परिणाम भयानक हैं, हर साल 8 मिलियन से अधिक मौतें तम्बाकू से संबंधित बीमारियों के कारण होती हैं। भारत में गुटखा सहित धुआं रहित तंबाकू का उपयोग एक खतरनाक कुचलन है, जिससे गंभीर किस्म की बीमारियां होती हैं। विशेष रूप से गुटखा से कैंसर का खतरा होता है और इसी वजह से साल 2002 से ही गुटखा पर नियंत्रण के प्रयास चलते रहे हैं। साल 2012 से भारतीय राज्यों द्वारा प्रतिबंधित होने के बावजूद गुटखा व्यापक रूप से उपयोग में है। गुटखा लॉबी देश भर में बहुत मजबूत है और इससे सरकारों व उनमें शामिल लोगों को गलत ढंग से भारी कमाई होती है। सबसे पहला राज्य मध्य प्रदेश है, जिसने गुटखा पर प्रतिबंध लगाया था, पर क्या वहां सफलता मिली? बिहार, गुजरात जैसे राज्य, जहां कहने को तो शराब प्रतिबंधित है, पर क्या वहां शराब का मिलना बंद हो गया है? ठीक इसी तरह से गुटखा के साथ हुआ है। लगातार चेतावनियों व विज्ञापनों के बावजूद गुटखा या तंबाकू का सेवन घट नहीं रहा है। गुटखों और पान मसालों से जुड़ी समस्याओं को अभी भी हम गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। भारत में जनसंख्या-आधारित कैंसर रजिस्ट्री में पाया गया कि 55 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के उपयोग से संबंधित थे। भारत तंबाकू उत्पादों का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। भारत में तंबाकू छोड़ने की दर सबसे कम है, यहां सिर्फ 20 प्रतिशत पुरुष तंबाकू के दुर्व्यसन को छोड़ पाते हैं। जीवन का माप सफलता नहीं, सार्थकता होती है। सफलता तो गलत तरीकों से भी प्राप्त की जा सकती है। जिनको शरीर की ताकत खैरात में मिली हो वे जीवन की लड़ाई कैसे लड़ सकते हैं? तंबाकू का सेवन कई रूपों में किया जा सकता है जैसे सिगरेट, सिगार, बीड़ी, मलाईदार तंबाकू के रंग की वस्तु (टूथ पेस्ट), क्रिटेक्स, पाईप्स, गुटका, तंबाकू चबाना, सुर्ती-खैनी (हाथ से मल के खाने वाला तंबाकू), तंबाकू के रंग की वस्तु, जल पाईप्स, स्नस आदि। कितने ही परिवारों की सुख-शांति ये तम्बाकू उत्पाद नष्ट कर रहे हैं। बूढ़े मां-बाप की दवा नहीं, बच्चों के लिए कपड़े-किताब नहीं, पत्नी के गले में मंगलसूत्र नहीं, चूल्हे पर दाल-रोटी नहीं, पर नशा चाहिए। करोड़ों लोग अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। दुर्भाग्यवश इस गलत आदत को स्टेटस सिंबल मानकर अक्सर नवयुवक एवं महिलाएं अपनाते हैं और दूसरों के सामने दिखाते हैं। इससे प्रजनन शक्ति कम हो जाती है। यदि कोई गर्भवती महिला धूम्रपान करती है तो या तो शिशु की मृत्यु हो जाती है या फिर कोई विकृति उत्पन्न हो जाती है। लंदन के मेडिकल जर्नल द्वारा किये गये नए अध्ययन में पाया गया कि धूम्रपान करने वाले लोगों के आसपास रहने से भी गर्भ में पल रहे बच्चे में विकृतियाँ उत्पन्न हो जाती हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डॉ. जोनाथन विनिकॉफ के अनुसार, गर्भावस्था के दौरान माता-पिता दोनों को स्मोकिंग से दूर रहना चाहिए। लगता है विश्व जनसंख्या का अच्छा खासा भाग नशीले पदार्थों के सेवन का आदी हो चुका है। अगर आंकड़ों को सम्मुख रखकर विश्व मानचित्र (ग्लोब) को देखें, तो हमें सारा ग्लोब नशे में झूमता दिखाई देगा।

आप का नजरिया

अब अभिव्यक्ति है अपराध

सावधान! अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी आपको जेल तक पहुंचा सकती है! संविधान ने हमें यह मौलिक अधिकार दिया है, लेकिन आजकल पुलिस विचारों की अभिव्यक्ति करने वाले के खिलाफ लगातार प्राथमिकियां दर्ज कर रही है। अंततः आपको जेल में ठूंस दिया जाता है। बेशक आप प्रोफेसर हों, पत्रकार हों, सामाजिक कार्यकर्ता हों अथवा 19 साल की छात्रा हों, पुलिस आपकी अभिव्यक्ति को राष्ट्र की एकता, अखंडता, संप्रभुता के लिए खतरा करार दे देगी और आपको जेल...! पुलिस किनके इशारों पर इतनी अविवेकी, न्यायहीन, संवेदनहीन हो गई है, यह देश अच्छी तरह जानता है। यदि देश में सर्वोच्च अदालत का तटस्थ, न्यायिक, संवैधानिक संरक्षण न हो, तो न जाने कितने पढ़े-लिखे और अभिव्यक्ति के रचनाकार अनिश्चित समय तक जेल में सड़ते रह सकते हैं। इस संदर्भ में उच्च न्यायालय के हमारे मौलिक, नागरिक अधिकारों की रक्षा कर रहे हैं। सत्ताएं और पुलिस तो निरंकुश होती हैं। महाराष्ट्र की 19 साल की इंजीनियरिंग की छात्रा को पुलिस ने पुणे की येरवडा जेल तक इसलिए धकेल दिया, क्योंकि उसने एक पोस्ट लिखने की हिमाकत की थी, जिसमें पाकिस्तान के प्रति कुछ सहानुभूति जताई गई थी। बेशक वह 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत युद्ध जैसा माहौल था। छात्रा को इतना उत्तेजित, उग्र और भावोन्मादी होने की जरूरत नहीं थी। उसे शीघ्र ही गलती का एहसास हुआ। उसने पोस्ट हटा ली और सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति को 'अपराध' मान लिया गया। छात्रा को समझाने की कोशिश नहीं की गई, बल्कि जेल भेज दिया गया। निचली अदालत ने तो छात्रा की जमानत याचिका ही खारिज कर दी, लेकिन शैक्षिक संस्थान के प्रबंधकों ने छात्रा को बर्खास्त ही कर दिया। संस्थान से बेदखल ही कर दिया। छात्रा को कई दिन जेल में रहना पड़ा। मामला जब उच्च न्यायालय पहुंचा, तो न्यायाधीशों ने सवाल किया कि क्या आप एक छात्रा को 'अपराधी' बनाने पर आमादा हैं। क्या छात्र अब अपने विचार कहना या लिखना ही बंद कर दें? पुलिस को फटकार लगी, छात्रा को जमानत दी गई, तब वह जेल से बाहर आ पाई। यह स्वतंत्र और संवैधानिक भारत का कुरूप सच है। इसी तरह अशोका यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर अली खान को भी सोशल मीडिया पर कुछ लिखने के अपराध में जेल भेजा गया था। हालांकि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की ब्रीफिंग करने वाली दो महिला सैन्य अधिकारियों-कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह-की प्रशंसा की थी, लेकिन सुझाव दिया था कि ऐसे प्रयास जमीनी स्तर पर भी किए जाने चाहिए। प्रो. अली ने अपनी पोस्ट में 'लिंचिंग' और 'बुलडोजर न्याय' पर भी कुछ सवाल उठाए थे, लेकिन उन्हें महिलाओं के अपमान के अपराध में जेल भेज दिया गया। हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने राज्य के डीजीपी तक को शिकायत की। मामला हिंदू-मुस्लिम करने का प्रयास भी किया गया। अंततः सर्वोच्च अदालत के हस्तक्षेप से उन्हें अंतरिम जमानत दी गई, लेकिन अब भी तीन आईपीएस अफसरों का विशेष जांच दल उनकी जांच-पड़ताल कर रहा है। ऐसे असंख्य मामले हैं, जिनमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को 'अपराध' मानने की प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है, लेकिन एक मामला मप्र सरकार के मंत्री विजय शाह का भी है, जिन्होंने कर्नल सोफिया को 'आतंकियों की बहन' करार दे दिया। बाद में माफी मांगना तो नेताओं की आदत है। सर्वोच्च अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत-सी दे रखी है, क्योंकि उनकी गिरफ्तारी पर रोक है।

देश दुनीया से

प्रदेश के निचले क्षेत्रों में खेती की समस्याएं

हिमाचल प्रदेश के 4000 फुट से कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कृषि कई समस्याओं से ग्रस्त है। वैसे तो देश भर में ही खेती में लाभ कम हो गया है, किन्तु पहाड़ी क्षेत्रों में कम ऊंचाई वाले इलाकों में खेती सबसे ज्यादा समस्याग्रस्त हो गई है। लगातार लाभ कम होते जाने के चलते लोगों का खेती से मोहभंग होता जा रहा है, जिसके लिए कुछ न कुछ सुधारात्मक उपाय करना समय की जरूरत बन चुकी है, वरना खेती व्यवसाय की बर्बादी रोकना कठिन हो जाएगी। मुख्य समस्या तो लाभ कम होते जाने की है, किन्तु इसके बहुत से कारण हैं जिन पर पार पाने का काम करना होगा। हिमाचल के इस हिस्से में जोतें बहुत ही छोटी हो गई हैं। अधिकांश जोतें 5 बीघे से कम हैं, कुछ तो 1-2 बीघे से भी कम रह गई हैं, इसलिए इनमें जब साल भर की रोजी-रोटी पूरी नहीं होती है तो बहुत से लोग किसी दूसरे व्यवसाय के लिए हाथ पैर मारने लगते हैं और खेत खाली पड़े रहते हैं। केवल 25 फीसदी भूमि ही सिंचित है। बारिश समय पर न होने के चलते भी खेत खाली छोडने पड़ते हैं। प्रदेश में चकबंदी की संभावना कम होने के चलते जमीनें छोटे छोटे टुकड़ों में बंट चुकी हैं, जिस कारण दस जगह बाड़ बंदी, दस जगह पानी लगाना और अन्य कृषि कार्यों में समय की बर्बादी के साथ सुरक्षा भी संभव नहीं होती है। इन निचले इलाकों में कोई विशिष्ट फसल भी नहीं है जो केवल इन्हीं इलाकों में होती हो, ताकि प्रतिस्पर्धा कम हो और लाभकारी आय प्राप्त की जा सके। ज्यादा ऊंचे ठंडे क्षेत्रों में सेब आदि फल और बेमौसमी सब्जियों के उत्पादन से अच्छी आय हो जाती है। निचले क्षेत्रों में आम, लीची आदि फलों को पूरे मध्य भारत से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है जो छोटी जोतों और पहाड़ी इलाका होने के कारण ज्यादा मेहनत के चलते संभव ही नहीं हो पाता है। मानव-वन्यप्राणी संघर्ष के कारण फसलों को सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती बनती जा रही है। बन्दर, सूअर, नीलगाय, इतना नुकसान पहुंचा रहे हैं कि बहुत से इलाकों में इसी कारण लोग खेती छोडने पर बाध्य हो गए हैं। पशुपालन से मुंह मोड़ रहे कुछ लोग अपने पशुओं को बेसहारा छोडने लगे हैं। सडकें तक इनसे भर गई हैं। इनकी उजाड़ से खेती बचाना टेढ़ी खीर हो चुकी है।

हालत यह है कि मर्ज बढ़ता ही गया ज्यों ज्यों दवा की। पॉवर टिलर को सब्सिडी देकर प्रोत्साहित करने से पहाड़ी किसान भी बैल पालना छोड़ चुके हैं, जबकि वह आत्मनिर्भर तरीका था, और मुकाबिल तौर पर सस्ता भी था, जिससे खाद की समस्या भी हल होती थी। इससे कुल मिला कर खेती के लाभ को कम करने में ही मदद मिली है। सुधरे बीजों की जगह हाइब्रिड बीजों का चलन बढ़ता जा रहा है। अपने बीज खत्म हो गए हैं। हाइब्रिड बीज हर साल नए खरीदने पड़ते हैं और बहुत ही महंगे हैं। हाईब्रिड धान का बीज 380 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है। बीज के लिए कंपनियों की गुलामी बहुत खतरनाक है। इससे भी खेती की लागत बढ़ रही है। खेती में जैव विविधता का भी घास-मारक दवाइयों के चलते ह्रास हुआ है। ये दवाईयां ऐसी हैं कि जिस फसल के लिए बनी हैं उसके अलावा अन्य हर वनस्पति को मार देती हैं। इससे फसल सुरक्षा जाल कमजोर हुआ है। जैसे मक्की में उड़द या श्री धान्य आदि लगाते थे, गेहूं के साथ चने, मसूर और सरसों लगा लेते थे। एक फसल कम हो जाए तो दूसरी उसकी कमी को पूरा कर देती थी। मिट्टी के उपजाऊ पन को भी लाभ होता था। इन परंपरागत अनुभव आधारित तरीकों को छोड़ कर दवाइयों और रासायनिक खादों पर निर्भरता के बढने के चलते खेती की लागत और बढ़ गई है, और लाभ कम हो गया है। 1970 के मुकाबले खेती से आय 19 गुणा बढ़ी है और मजदूरी, और अन्य कर्मचारी वेतन सौ से डेढ़ सौ गुणा बढ़े हैं। इस कारण सामाजिक प्रतिस्पर्धा में किसान पिटता गया है, जिससे किसानी से मोहभंग होता जा रहा है। 75 प्रतिशत जमीनें तो वर्षा आधारित हैं, किन्तु उनमें भी वही गेहूं और मक्की की एकल खेती हो रही है, क्योंकि हमारी खानपान की आदतें भी धान और गेहूं के ही ऊपर निर्भर हो गई हैं। श्री धान्य कोदा, रामदाना, अस्वांक, भरेस, बाजरा, कौणी आदि कम पानी में होने वाली और ज्यादा पौष्टिक फसलें हैं। इनके प्रसार और खाद्य श्रृंखला में इनको महत्व देने से वर्षा आधारित खेती निश्चय ही लाभान्वित हो सकती है। वन्यप्राणियों और बेसहारा पशुओं से फसलों को बचाने के लिए सरकारों को बड़े पैमाने पर सरकारी खर्चे से योजना बनानी चाहिए। यदि सामूहिक स्तर पर बाड़बंदी की जाए तो इस नुकसान से किसान बच सकता है। छुटपुट योजना से लाभ नहीं हो सकता।

कुछ अलग

आओ विकास करें...

हमारे देश को विकास की बीमारी आजादी के बाद ही लग गई थी। जो भी सत्ता में आया उसने विकास का नारा दिया। आप विकास चाहें या न चाहें परंतु सरकार ने कहा कि विकास तो कराना ही होगा। विकास नहीं होगा तो सरकार के कार्यक्रम और योजनाओं का क्या होगा? सो विकास की मारामारी ऐसी चली कि विकास चल निकला। हम विकासशील हो गए। कोई क्षेत्र इस छूत से अछूता नहीं रहा, विकास हुआ भी तो ऐसा कि चारों दिशाओं में इसकी रोशनी फैल गई। यही विकास एक दिन मेरे गांव भी आ गया। नए चंद सिरफिरों को पसंद भी आ गया। उन्हें लगा कि विकास की यह प्रक्रिया अपनाई जा सकती है, इसलिए वे भी विकासशील हो गए। इसे अपनाने वाले वे लोग थे जो बेकार थे, जिनके हाथ खाली थे। उन्होंने विकास को आजीविका के रूप में अपना लिया। वह विकास ही किस काम का जिसे अपनाने से सर्व प्रथम स्वयं का कल्याण न हो। बस दनादन पुख्ता मकानों की नींव धरी जाने लगी। अकाल अलग हो गया-इसलिए नेताजी ने जो राहत भेजी उसका खून गांव के विकासशीलों के पृथक से मुंह लग गया। इस तरह वे आबाद हो गए। गांव के विकास के लिए 'नवयुवक मंडल' नाम से एक संस्था का गठन किया गया। जो चंद लोग शहर में विकास की चकाचौंध देख आए थे, वे तमाम उसके सदस्य थे। मंडल की पहली बैठक हुई तो उसके एजेंडा में-मेरा नाम स्थानांतरित कराए जाने वाले लोगों में शामिल था। मैं घबरा गया कि यह नवयुवक मंडल का गठन क्या मेरे लिए ही किया गया है। दौड़ कर मैं विकासशीलों के अध्यक्ष से मिला और बोला-'अमां यार तुम हमारे गांव के हो और हमारा ही तबादला करवा रहे हो। गांव में पढ़े हैं। अपने बच्चों का लालन-पालन कर रहे हैं, यदि तबादला हो गया तो सारा घर अव्यवस्थित हो जाएगा।' अध्यक्ष जी तो विकास की लहर के शिकार थे सो बोले-'गांव के विकास के लिए आपका इस गांव से स्थानांतरण अत्यावश्यक है। मंडल की बैठक में भी यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हो गया है, इसलिए अब कुछ नहीं किया जा सकता।' 'लेकिन मैं विकास में आड़े कहां आ रहा हूं और मैंने बिगाड़ा क्या है?' मैंने पूछा। वे बोले-'विकास में तुम ही तो सबसे बड़ी बाधा हो। दरअसल आपने ईमानदारी का प्रमाणपत्र ले रखा है और हमें ईमानदारों से डर लगता है। स्कूल में जो निर्माण कार्य चल रहा है, उसका सारा हिसाब-किताब आपके पास है। आप पूरी ईमानदारी से उसे निपटाते हैं। तीन वर्ष से कोई घपले के चांसेज नहीं मिल रहे हैं। ऐसे आपके खिलाफ चार्जेज लगाकर तबादला करवाने के अलावा हमारे पास और क्या विकल्प रह जाता है?' 'लेकिन इसमें मैं बाधा कहां उत्पन्न कर रहा हूं। यदि मैं हिसाब-किताब सही रखता हूं तो इसमें विकास को बल ही मिलेगा।

दृष्टि कोण

मणिपुर में अभी भी असंतोष

मणिपुर में बहुत समय से अशांति है। उस अशांति ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली और और उसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री एन. वीरेन सिंह के मंत्रिमंडल की बलि भी ली। समाज शास्त्री कहते हैं कि संकट काल में किसी बहुमूल्य चीज की बलि देकर बडे नुकसान को रोकने की कोशिश की जाती है। मणिपुर में भी भारतीय जनता पार्टी ने शायद इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपने मंत्रिमंडल की बलि दी होगी। लेकिन जिस शांति की आशा में यह बलि दी गई थी, वह पूरी होती नहीं लगती। शांति क्यों नहीं हो पा रही, यह रहस्य तभी खुलेगा जब यह पता चल जाए कि अशांति का क्या कारण है? यदि अशांति का सही कारण ही पकड़ में नहीं आएगा तो शांति कैसे स्थापित हो सकती है? पूर्वोत्तर भारत में हो रही इस अशांति को समझने की कोशिश उत्तर भारत में अनेक विद्वान करते भी रहते हैं। मामले को आगे बढ़ाने से पहले मणिपुर को सरसरी तौर पर समझना होगा। मणिपुर की राजधानी इंफाल है जिसे भूगोल के विद्वान इंफाल घाटी कहते हैं, क्योंकि यह मैदानी इलाका चारों ओर से पहाडियों से घिरा हुआ है। इंफाल घाटी में जो लोग रहते हैं, उनको मैतेयी कहा जाता है। पहाडियों पर लगभग चालीस पचास विभिन्न समुदायों के लोग रहते हैं। कुछ उत्तरी पहाडियों में और कुछ दक्षिणी पहाडियों में। उत्तरी पहाडियों में रहने वाले ये पहाड़ी नागा कहे जाते हैं और दक्षिणी पहाडियों पर रहने वाले समुदाय कुकी के नाम से जाने जाते हैं। वैसे कुकी कहे जाने वाले समुदाय अपने आपको कुकी कहलवाना पसंद नहीं करते, क्योंकि मैदानी बंगालियों ने पहाड़ में रहने वालों को पहाड़ी न कह कर कुली कहना शुरू कर दिया था जो बाद में कुकी में बदल गया। भारत सरकार ने पहाड़ पर रहने वाले इन सभी समुदायों को एसटी का दर्जा दिया हुआ है। लेकिन एक और कानून भी है। एसटी तो घाटी में जमीन खरीद सकता है, लेकिन घाटी पर रहने वाला मैतेयी पहाड़ पर जमीन नहीं खरीद सकता। जनसंख्या के हिसाब से घाटी के मैतेयी की संख्या 53 फीसदी है और पहाडियों की 36 फीसदी है। जहां तक क्षेत्रफल का मामला है, मणिपुर का कुल क्षेत्रफल 8621 वर्ग मील है। इसमें से इंफाल घाटी का क्षेत्रफल केवल 700 वर्ग मील है, बाकी सारा इलाका पहाड़ का है। यानी 700 वर्ग मील में प्रदेश की 53 फीसदी जनता रहती है और शेष लगभग 8000 वर्ग मील पहाड़ी इलाके में 36 फीसदी जनता रहती है। पहाड़ के विभिन्न समुदाय आपस में लड़ते भिड़ते भी रहते हैं। खासकर उत्तरी पहाडियों पर बसी जातियों की दक्षिणी पहाडियों पर बसी जातियों से नहीं पटती। झगड़ा होता रहता है, कभी रंगदारी को लेकर और कभी जमीन कब्जाने को लेकर। दोनों पक्षों के लोग मरते भी रहते हैं। अंग्रेजी मीडिया के लोग इसे कुकी-नागा संघर्ष बताते हैं। कभी दक्षिणी पहाडियों पर बसी जनजातियां कुकीलैंड की बात चलाती हैं, तो उत्तरी पहाडियों की जनजातियां नागालिम के नाम पर नागालैंड के साथ इन पहाडियों को मिला देने की बात करते रहती हैं। लेकिन ये पहाड़ी लोग आपस में तो लड़ते रहते हैं, पर मैतेयी से इनका कभी झगड़ा नहीं हुआ। मैतेयी के दुख कम नहीं हैं। उनकी पहली मांग तो यही है कि उन्हें भी अपने ही प्रदेश की पहाडियों में जमीन खरीदने और रहने बसने का अधिकार मिलना चाहिए। यह तो छोटी मांग है। बड़ी मांग यह है कि मैतेयी को भी एसटी का दर्जा दिया जाए। यह पुरानी मांग है और भाषणों के काम आती रहती है। लेकिन मैतेयी समाज में ज्वाला तब भडक़ती है जब पहाड़ की कोई या कई जनजातियां मणिपुर का विभाजन करके उसमें से कुकीलैंड या नागालिम की मांग करती हैं। तब इंफाल घाटी धधकती है। मैतेयी बाकी सब कुछ सहन कर सकता है, लेकिन मणिपुर के विभाजन की बात सुन कर वह धडक़ता है। मणिपुर उसके लिए भावनात्मक ईकाई भी है। सनामही, पाखंबा मणिपुर के रक्षक देव हैं। केवल इंफाल घाटी के नहीं बल्कि पूरे मणिपुर के। इसी मणिपुर के काइना पर्वत पर एक तांखुल अम्मा ने ही तो गोविंदजी कान्हा का पालन पोषण किया था। मणिपुर की पर्वत उपत्यकाएं इसकी धमनियां हैं।

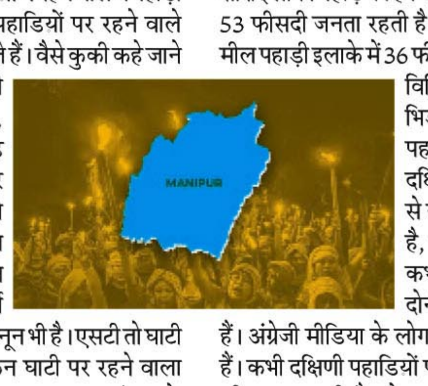

बाढ़ से जुड़े मामलों पर राज्यों सरकारों को ध्यान देने की जरुरत : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने यूपी समेत देश के सभी राज्यों की सरकारों को बाढ़ से जुड़े मामलों पर ध्यान देने की सलाह दी है। उन्होंने इससे जुड़े भ्रष्टाचार पर भी सवाल उठाए हैं। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को एक्स पर दो पोस्ट किए। पहली पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'यूपी और बिहार समेत देश के विभिन्न राज्यों में बचाव के सरकारी दावों के बावजूद लाखों परिवार हर साल बाढ़ की भीषण तबाही का सामना करते हैं। उनका जान, माल, पशुधन, खेती और आम जीवन पूरी तरह प्रभावित होता है। इससे उनका जीवन फिर से कष्टमय हो जाता है, यह चिन्ता का विषय है। सभी सरकारों को इस ओर ध्यान देना चाहिए।' उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण बाढ़ से बचाव की सरकारी योजनाओं में फैला भ्रष्टाचार है। जिसके प्रति यूपी सरकार को भी बैठकों से आगे बढ़कर जमीनी स्तर पर ईमानदारी से सक्रिय और सख्त होने की जरूरत है। ताकि बाढ़ से प्रभावित करोड़ों लोगों की समुचित मदद हो सके। उनके जीवन में परेशानी न रहे।

शहरों में श्रमिकों के लिए योगी सरकार शुरू करेगी सुविधा केंद्र और श्रमिक सराय

– काम के लिए शहर-शहर जाने वाले श्रमिकों को योगी सरकार देगी ट्रांजिट हॉस्टल की सौगात

लखनऊ, (हि.स.)। श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में योगी योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र और विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना जैसी अभिनव योजनाओं के माध्यम से न सिर्फ श्रमिकों की दैनिक समस्याओं को हल करने जा रही है, बल्कि उन्हें गरिमा और सुविधा के साथ जीने का अवसर भी प्रदान कर रही है।

शहरों में श्रमिकों के लिए बनेगा भरोसेमंद व सुविधाजनक ठिकाना – योगी सरकार ने तय किया है कि प्रथम चरण में राज्य के 17 नगर निगम क्षेत्रों और नोएडा व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों को श्रमिकों के लिए एक वन-स्टॉप समाधान केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां उन्हें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पंजीकरण सुविधा, सरकारी योजनाओं की जानकारी, और आवश्यक सेवाएं मिलेंगी। बीते दिनों श्रम विभाग ने मुख्यमंत्री योगी के समक्ष इन योजनाओं का विस्तृत खाका पेश किया। इन केंद्रों के माध्यम से योगी सरकार का लक्ष्य है कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ने में तेजी लाई जाए, ताकि कोई भी श्रमिक सरकारी लाभों से वंचित न रहे। प्रदेश में प्रवासी निर्माण श्रमिकों की संख्या बड़ी है। ये काम की तलाश में एक शहर से दूसरे शहर जाते रहते हैं। इनकी रातें अक्सर फुटपाथ या असुरक्षित स्थानों पर गुजरती हैं। ऐसे में योगी सरकार की विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना प्रवासी श्रमिकों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल के रूप में राहत लेकर आ रही है। इन सरायों में स्वच्छ शौचालय, स्नानागृह, क्लॉक रूम और अस्थायी आवास की सुविधा होगी, जिससे श्रमिक न केवल सुरक्षित रह सकेंगे बल्कि अगली सुबह नए काम की तलाश में बेहतर ढंग से निकल सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रमिक कल्याण को लेकर गंभीर हैं और कई मौकों पर उन्होंने कहा है कि राज्य का निर्माण करने वाले श्रमिकों को सुविधाएं देना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उनकी इसी सोच का परिणाम है कि यूपी में पहली बार श्रमिकों के लिए इस तरह के स्थायी ढांचे की योजना बनाई जा रही है, जो श्रमिकों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सके। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि भविष्य में इन योजनाओं का विस्तार हर नगर क्षेत्र और बड़े औद्योगिक क्षेत्रों तक किया जाए, ताकि कोई भी श्रमिक सुविधाओं से वंचित न रहे।

वाराणसी में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर पुण्यश्लोक अहिल्याबाई की उतारी आरती

— श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लेकर स्वस्तिवाचन

वाराणसी, (हि.स.)। केन्द्र में मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को यहां नमामि गंगे के सदस्यों ने श्री काशी विश्वनाथ धाम में स्थित पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई के मूर्ति की आरती उतारी। महर्षि योगी वेद विज्ञान विद्यापीठ के वेदपाठी बटुकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लेकर उनकी सरकार की मजबूती के लिए स्वस्तिवाचन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बाद मां अहिल्याबाई को नमन किया। इस दौरान नमामि गंगे के काशी क्षेत्र संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि दिन-रात 'प्रधान सेवक' के रूप में देश की जनता की सेवा में लगे हुए काशी के सांसद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 11 साल पूरे होने पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत में गरीबी उन्मूलन और आर्थिक उन्नति के प्रयासों में दृढ़ संकल्पता की सिद्धि के लिए बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना की गई। देवमाता अहिल्याबाई होलकर द्वारा दिए गए संदेश " धर्म का पथ ही न्याय का पथ है " का अनुसरण कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लेकर नमामि गंगे ने बटुकों और जनता जनार्दन के साथ स्वस्तिवाचन किया। राजेश शुक्ला ने कहा कि मोदी सरकार के पिछले 11 साल महान पहलों, नीतियों और रणनीतिक कार्यों के लिए याद किए जाएंगे, जिन्होंने राष्ट्र को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और भारत का वैश्विक स्तर ऊंचा उठाने के अथक प्रयासों के लिए आभारी है।

पुलिस परेड में दिखा दम और अनुशासन: एसएसपी ने ली सलामी

मीरजापुर, (हि.स.)। पुलिस लाइन का परेड ग्राउंड शुक्रवार को देशभक्ति और अनुशासन के रंग में रंगा नजर आया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने साप्ताहिक परेड की सलामी ली। उनके नेतृत्व में आयोजित इस परेड में न केवल पुलिस बल की अनुशासित छवि दिखी, बल्कि जवानों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए फिटनेस पर भी विशेष जोर दिया गया। परेड के निरीक्षण के बाद एसएसपी बर्मा ने जवानों को दौड़ लगवाकर उन्हें फिट रहने का संदेश दिया। इसके बाद अनुशासन और एकरूपता को मजबूती देने के लिए सघन ड्रिल कराई गई, जिसमें जवानों ने जोश और तालमेल का अद्भुत प्रदर्शन किया। साप्ताहिक परेड के दौरान पीआरवी-112 सहित थानों के वाहनों का भी गहन निरीक्षण किया गया। एसएसपी ने वाहनों की क्रियाशीलता, उपकरणों की स्थिति और घटनास्थल पर उपयोग की प्रक्रिया का अभ्यास कराया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए कि हर स्थिति में तत्परता और दक्षता बनी रहे।

इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी यातायात, प्रभारी डायल-112, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, यातायात उपनिरीक्षक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जौनपुर में अनियंत्रित बस पलटने से पांच की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

जौनपुर, (हि.स.)। जिले में बक्सा थाना क्षेत्र के लखउवा हाईवे के पास शुक्रवार को एक प्राइवेट बस बेकाबू होकर पलटने से पांच यात्रियों की मौत हो गई। इस हादसे में छह से अधिक लोग घायल हुए हैं। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों का हालचाल लिया। जिलाधिकारी डॉ दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों से पूछताछ में पता चला है कि बदलापुर से जौनपुर शहर की ओर आ रही एक प्राइवेट बस बक्सा थाना क्षेत्र के लखउवा हाईवे के पास मोड़ होने की वजह से अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद बस में फंसे घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में मरने वालों की पहचान बक्सा की रहने वाले विजय शर्मा की पत्नी संध्या शर्मा (60), झारखंड की रहने वाली नेमा देवी (60), बस कंडक्टर काली चरण (36), सुशीला यादव के रूप में हुई है। इसके अलावा एक मृतक की अभीपहचान नहीं हो सकी है। इस दुर्घटना में छह से अधिक यात्री घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह लापरवाही और तेज रफ्तार हो सकती है। पुलिस बस चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की हैं। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को समुचित इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

विद्युत की अधिकतम आपूर्ति में अपना स्वयं का रिकॉर्ड तोड़ रहा उत्तर प्रदेश : एके शर्मा

लखनऊ, (हि.स.)। उप्र के नगरीय विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शुक्रवार को ट्वीट कर उत्तर प्रदेश की बड़ी सफलता को साझा किया। एके शर्मा ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से उत्तर प्रदेश ने विद्युत की अधिकतम आपूर्ति में अपना स्वयं का रिकॉर्ड तोड़ा है और इतिहास बनाया है। इतना ही नहीं पूरे देश में यूपी तीन वर्षों से अधिकतम विद्युत आपूर्ति करने वाला राज्य बना है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि दूसरे क्रम वाले राज्यों से सवा गुना ज्यादा बिजली को उत्तर प्रदेश दे रहा है। इसके लिए प्रदेश के विद्युत कर्मियों को धन्यवाद है। 27 मई को बिजली की मैक्सिमम डिमांड 28691 एमडब्लूआई के लिए प्रदेश वासियों की ओर से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को आभार है। वहीं विद्युत के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश इसी तरह आगे बढ़े एवं प्रथम स्थान तक पहुंचें।

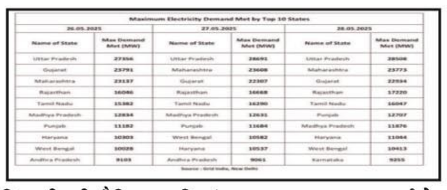

Maximum Electricity Demand Met by Top 10 States

26.05.2025		27.05.2025		28.05.2025	
Name of State	Max Demand Met (MW)	Name of State	Max Demand Met (MW)	Name of State	Max Demand Met (MW)
Uttar Pradesh	27356	Uttar Pradesh	28691	Uttar Pradesh	28508
Gujarat	23791	Maharashtra	23608	Maharashtra	23773
Maharashtra	23137	Gujarat	22307	Gujarat	22594
Rajasthan	16046	Rajasthan	16668	Rajasthan	17220
Tamil Nadu	15382	Tamil Nadu	16290	Tamil Nadu	16047
Madhya Pradesh	12834	Madhya Pradesh	12631	Punjab	12707
Punjab	11182	Punjab	11684	Madhya Pradesh	11876
Haryana	10303	West Bengal	10582	Haryana	11044
West Bengal	10028	Haryana	10537	West Bengal	10413
Andhra Pradesh	9103	Andhra Pradesh	9061	Karnataka	9255

Source : Grid India, New Delhi

हेमंत सोरेन स्वास्थ्य केंद्रों में एम्बुलेंस की व्यवस्था कराएं : बाबूलाल

रांची (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा है कि एक ओर केंद्र सरकार आदिम जनजाति जैसे वंचित समुदाय की प्रगति और कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार इस समुदाय की गर्भवती महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाने तक की व्यवस्था नहीं कर पा रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से गढ़वा अस्पताल रेफर किए गए आदिम जनजाती समुदाय के मरीज को ले जा रही 108 एम्बुलेंस बीच रास्ते में खराब हो गई। घंटों इंतजार के बाद भी दूसरी एम्बुलेंस नहीं पहुंची, जिससे मरीजों को वापस भवनाथपुर अस्पताल लाना पड़ा। चिंताजनक बात तो यह है कि एम्बुलेंस की खराबी की जानकारी पहले से जिला प्रशासन को दी गई थी, लेकिन फिर भी उसे ठीक नहीं करवाया गया। यह स्थिति बताती है कि वंचित समुदाय की आवश्यकताओं को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। मरांडी ने आगे कहा कि जब तक राज्य सरकार इस तरह की लापरवाही और असंवेदनशीलता को नहीं सुधारेगी, तब तक केंद्र सरकार की योजनाएं भी धरातल पर सफल नहीं हो पाएंगी। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सिविल सर्जनों को निर्देश देकर जिलों के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

एनसीसी कैडेट्स ने सड़क सुरक्षा को लेकर निकाली जागरूकता रैली

पलामू, (हि.स.)। 44 झारखंड बटालियन एनसीसी कैडेट्स ने शुक्रवार को डालटनगंज में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया। इस क्रम में वाहन चालकों सहित अन्य लोगों को यातायात नियम के बारे में जानकारी देते हुए पालन करने के लिए उन्हें प्रेरित किया । कैडेट्स ने हाथों में जागरूकता संबंधी पोस्टर और तख्तियां लेकर पूरे शहर का भ्रमण किया। रैली में पलामू प्रमंडल से 80 एनसीसी कैडेट्स (40 बालक एवं 40 बालिका) ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। उनके साथ 11 की संख्या में पंजाब रेजीमेंट के आर्मी, बटालियन के पदाधिकारी, यातायात प्रभारी शामिल थे। रैली की शुरूआत सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस जिला स्कूल से हुई। इसके बाद छहमुहान, कचहरी चौक होते हुए रेडमा चौक तक गई और वहां से पुनः सीएम स्कूल लौटकर रैली का समापन हुआ। पूरे मार्ग में कैडेट्स ने नारे लगाकर और लोगों से संवाद करके सड़क सुरक्षा के महत्व को बताया। कार्यक्रम का नेतृत्व मेदिनीनगर के ट्रैफिक प्रभारी एएसआई समाल अहमद ने किया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन के निर्देश पर यह रैली निकाली गयी। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का अनुपालन नहीं करने पर फाइन करना उनका उद्देश्य नहीं, बल्कि लोगों को उनकी जान की कीमत के प्रति जागरूक करना है। रैली के क्रम में उन्होंने कैडेट्स का मार्गदर्शन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। मौके पर कैडेट्स ने कहा कि जीवन अनमोल है। वाहन चलाते समय हमेशा ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए। बैनर्स और स्लोगन के माध्यम से लोगों को हेलमेट पहनने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने का संदेश दिया। रैली में सूबेदार मेजर मन्ना उरांव, हवलदार स्वरंजित सिंह एवं बरसा उरांव, एनसीसी ऑफिसर एसके दुबे, जेएस कॉलेज के केयरटेकर प्रमोद कुमार सहित अन्य शामिल थे।

राष्ट्रीय सुढ़ी समाज के अध्यक्ष को धमकी, कार्रवाई और सुरक्षा की मांग

पूर्वी सिंहभूम, (हि.स.)। राष्ट्रीय सुढ़ी समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष कृतिवास मंडल को अज्ञात व्यक्ति की ओर से फोन पर धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। मंडल आरटीआई कार्यकर्ता संघ के केन्द्रीय महासचिव और आजसू पार्टी के जिला सचिव भी है। घटना 18 मई की रात की है जब कृतिवास मंडल को फोन कर धमकी दी गई। उन्होंने बताया कि यह धमकी तब दी गई जब उन्होंने सूचना अधिकार अधिनियम के तहत पोटका प्रखंड विकास पदाधिकारी से विभिन्न विषयों की जानकारी मांगी थी। मंडल ने जब फोन करने वाले से पहचान पूछी, तो उसने नाम बताने से इनकार कर दिया और फोन काट दिया। 20 मई को उन्होंने वरीय पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत दी, जिसकी प्रतिलिपि गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, उपायुक्त और थाना प्रभारी परसुडीह को भी भेजी गई। समाज के पदाधिकारियों ने प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाया और कृतिवास मंडल की सुरक्षा की मांग की। शुक्रवार को समाज के लोग जमशेदपुर एसएसपी पियूष पांडे से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहना है कि श्री मंडल एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता हैं और भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार आवाज उठाते रहे हैं। ऐसी धमकियां लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला हैं। समाज ने दोषी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई और मंडल को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की ताकि वे निर्भीक होकर कार्य कर सकें।

बीते 20 साल की जदयू-भाजपा सरकार में जो काम हुआ वह आज तक नहीं हुआ : नीतीश कुमार

पटना/बिक्रमगंज, (हि.स.)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद बिहार के बिक्रमगंज में जनसभा को सम्बोधित करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जोरदार स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में बीते 20 साल के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार में बहुत काम हुआ है। नीतीश कुमार ने कहा कि जब 24 नवम्बर 2005 को राजग की सरकार बनी, जिसमें भाजपा और जदयू शामिल रही, उसके पहले जो सरकारें थी, उन्होंने राज्य में कोई काम नहीं किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कितनी बड़ी संख्या में महिलाएं दिख रही हैं। इसके पहले वालों ने कोई काम किया था क्या ?

जब से हम लोग सरकार में आए तब से हमने सबके लिए काम किया है । हम लोग पूरे तौर से बिहार के विकास में लगे हैं और अच्छे से काम हो रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष कार्य किया गया। सड़क, पुल, पुलिया का बड़े पैमाने पर निर्माण कराया गया। पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में 50 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दिया गया। गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम किया। अभी हाल में, कुछ नई बसावटें और कुछ नये घर बन रहे हैं। इस साल जून तक हर घर बिजली, हर घर शौचालय और हर घर नल का काम पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि सात निश्चय-2 के तहत सभी योजनाओं में तेजी से काम चल रहा है। युवक और युवतियों को सरकारी नौकरी उपलब्ध करवायी जी रही है। पिछले साल भी हम घूमे और इस साल भी जनवरी से फरवरी के दौरान पूरे राज्य में घूमे हैं । तमाम मंत्री और अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान हमने 50 हजार करोड़ रुपये के 430 नई योजनाएं शुरू की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बार के बजट में बिहार को काफी कुछ दिया, जिसमें एयरपोर्ट, एक्सप्रेस-वे खास है। जो कुछ भी बिहार को मिला है वह गौरव की बात है। केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना कराने की घोषणा की है, यह बहुत खुशी की बात है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी का बिक्रमगंज में जोरदार स्वागत किया। मंच से नीतीश ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि रोहतास जिले के बिक्रमगंज में प्रधानमंत्री पधारे हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री की ओर से जो कार्य होने वाला है, जिसमें दो सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन, तीन रेल परियोजनाओं का लोकार्पण और चार योजनाओं, जिसमें सुपर पॉवर पलांट का निर्माण तथा पथों और पुलों के निर्माण शामिल हैं। इन सबका शिलान्यास किया जा रहा है। इन सबकी लागत करीब 48,500 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। इन योजनाओं से बिहार को काफी फायदा होगा, इसके लिए मैं उनका नमन करता हूं और हृदय से धन्यवाद करता हूं।

प्रधानमंत्री ने किया इन विकास परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण-

पटना-गया-डोभी फोरलेन सड़क।
- **गोपालगंज में चार लेन एलिवेटेड, लागत 249 करोड़ रुपये।**
- **सासाराम से अनुग्रह नारायण रोड तक ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग।**
- **सोन नगर-मुहम्मद गंज के बीच तीसरी रेल लाइन।**
- **जहानाबाद में छात्रावास और स्टाफ क्वार्टर का निर्माण।**
- **कजरट नवाडीह से सोननगर के बीच तीसरी लाइन।**
- **नवीनगर में फेज-दो के तहत 800 मेगावाट की तीन बिजली इकाई।**
- **एनएच-922 पर बक्सर और भरौली के बीच गंगा पुल।**
- **रामनगर-कच्ची दरगाह एनएच 119 डी, लागत 1083 करोड़ रुपये।**
- **हार्डिंग पार्क, पटना में 5 टर्मिनल का रेलवे प्लेटफॉर्म।**
- **एनएच-119 ए के पटना-आरा-सासाराम खंड चार लेन।**
- **एनएच-319 बी के वाराणसी-रांची-कोलकाता छह लेन।**

प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 28 लाभुकों को मिली पहली किस्त की राशि

नालंदा, बिहारशरीफ (हि.स)। नालंदा जिला मुख्यालय स्थित नगर पंचायत कार्यालय के प्रांगण में शुक्रवार की दोपहर प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना 2.0 के अंतर्गत चयनित लाभुकों को कायार्देश सौंपा गया। कार्यक्रम के दौरान चयनित 28 लाभुकों को आवास निर्माण हेतु कायार्देश प्रदान किया गया। ईओ वरुण कुमार दुबे ने जानकारी दी कि इन लाभुकों के बैंक खातों में योजना की पहली किस्त के रूप में 1 लाख रुपये की राशि भेज दी गई है।उन्होंने बताया कि योजना के तहत पात्र लाभुकों को कुल 2.5 लाख रुपये की सहायता तीन किश्तों में दी जाएगी। पहली किस्त की राशि से लाभुक को लिंटर तक का निर्माण कार्य करना होगा। इसके पश्चात नगर पंचायत के पदाधिकारी एवं कर्मी स्थल निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के उपरांत दूसरी किस्त के रूप में एक लाख रुपये की राशि जारी की जाएगी। ईओ ने यह भी बताया कि पहले चरण में कुल 70 लाभुकों का चयन किया गया है जिनमें से 28 लाभुकों को कायार्देश दिया जा चुका है। शेष लाभुकों के कागजात की जांच हेतु संबंधित अंचल कार्यालय को भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद शेष लाभुकों को भी कायार्देश प्रदान किया जाएगा।

नवादा नगर परिषद गोदाम में लगी आग, लाखों की सम्पत्ति राख

नवादा, (हि.स.)। नवादा नगर परिषद के गोदाम में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। इस अगलगी में गोदाम में रखे ब्लीचिंग पाउडर, फागिंग केमिकल और मोटर पंप सहित कई कीमती सामान जलकर राख हो गए। सुपरवाइजर के अनुसार, सफाई कर्मियों की हाजिरी के दौरान गोदाम की खिड़की से धुआं निकलता दिखा। कर्मचारियों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी। ब्लीचिंग पाउडर और केमिकल के जलने से भयानक धुआं निकल रही थी। लाखों रुपए के रखे गए कई कीमती मशीन जलकर राख हो गए। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अग्निशमन विभाग के तीन बड़े वाहनों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से लगभग 10 लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। समय पर आग पर नियंत्रण न पाया जाता तो आसपास के कई कार्यालय भी इसकी चपेट में आ सकते थे।

आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया – अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। गोदाम में सफाई प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अग्निशमन विभाग और नगर परिषद के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

भारतीय कागज विनिर्माता संघ ने बढ़ते आयात पर चिंता व्यक्त की

नई दिल्ली

भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आईपीएमए) ने बढ़ते आयात पर चिंता जताते हुए कहा कि चीन से आयात में 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2024-25 में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात रिकॉर्ड 20.5 लाख टन हो गया। आईपीएमए ने कहा कि आयात में यह वृद्धि घरेलू कागज उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है।

वित्त वर्ष 2024-25 में कागज, पेपरबोर्ड का आयात 20.5 लाख टन के पार

इससे घरेलू उद्योग की वृद्धि क्षमता पर असर पड़ा है और क्षमता विस्तार में निवेश पर संकट उत्पन्न हुआ है। भारतीय कागज विनिर्माता संघ ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले चार वर्ष में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात दोगुना से अधिक होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 20.5 लाख टन हो गया। यह वित्त वर्ष 2020-21 में 10.8 लाख टन था।

आईपीएमए ने कहा कि भारत में कुल कागज एवं पेपरबोर्ड आयात में चीन की हिस्सेदारी अब 27 प्रतिशत और आसियान समूह की 20 प्रतिशत है। मूल्य के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात करीब 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

आईपीएमए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कागज के आयात में लगातार वृद्धि घरेलू कागज उद्योग के लिए चिंता का विषय है, जिसने क्षमता निर्माण और स्थिरता पहलों में काफी निवेश किया है। उन्होंने कहा कि आयात ने भारत में अधिकतर छोटी एवं मध्यम कागज मिल को व्यावसायिक रूप से अव्यवहारिक बना दिया है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार देश में 850-900 से अधिक कागज मिल में से केवल 550 ही अब चालू हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह गुणवत्ता नियंत्रण के कड़े उपायों को लागू करे तथा व्यापार समझौतों की समीक्षा करे जो कागज आयात के लिए शुल्क-मुक्त या कम-शुल्क पहुंच प्रदान करते हैं। इसके साथ ही व्यापार में सुधार लाने के उपाय करें और भारतीय कागज उद्योग के लिए समान अवसर सुनिश्चित करें।

न्यूज ब्रीफ

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की बिक्री पर रोक, केंद्र सरकार ने रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश जारी किये

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री पर रोक लगा दी है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स साइटों पर रेडियो उपकरणों की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए मानदंड जारी किए हैं। सीसीपीए ने ऐसे उपकरणों की 16,970 लिस्टिंग की जांच के बाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किए है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग के साथ अंतर-मंत्रालयी परामर्श के बाद इस दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2025 का उद्देश्य उन वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाना है, जो उपभोक्ता सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

अब पाकिस्तान भी कैशलेस इकॉनमी की ओर दे रहा ध्यान

नई दिल्ली । पाकिस्तान में अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कैशलेस इकॉनमी की ओर ध्यान दिया जा रहा है। प्री-बजट चर्चा में पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने कर का लोड हटाकर अन्य वर्गों पर डालने का वादा किया है। बजट 2025-26 के लिए 2 जून को पेश हो सकता है। कुछ सेक्टरों में कैश भुगतान को अकेले करने के भी बन रहे हैं प्रस्ताव
पाकिस्तानी सरकार डिजिटाइजेशन को बढ़ाने का निर्णय लेने के लिए कैशलेस भुगतान पर भारत की तरफ ध्यान दे रही है। इसके तहत कैश लेनदेन पर टैक्स और डिजिटल पेमेंट पर इंसेंटिव देने के साथ कुछ सेक्टोरों में कैश भुगतान को अकेले करने के प्रस्ताव भी बन रहे हैं।
पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की दरिद्रता बढ़ रही है, जिसके लिए वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से फिर लोन की मांग कर रही है। दूसरी ओर, भारत ने अपने पासिव डिजिटल इकोसिस्टम को पूरी तरह से विकसित किया है और यूपीआई के माध्यम से देशों रहने की लेनदेन में बढ़ोतरी की है। इस संबंध में भारत के साथ ही भूटान, मलेशिया, यूएई, और अन्य देशों में भी सुविधा उपलब्ध है। पाकिस्तान के प्रयासों का परिणाम स्थितियों में सुधार लाने में मददगार साबित हो सकता है, लेकिन स्थायी समृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि देश अपने स्वतंत्र लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

ओयो अपनी मूल कंपनी का बदलेगी नाम, मांगे सुझाव

नई दिल्ली। भारतीय उद्यमी और ओयो के संस्थापक ने अपनी मूल कंपनी ऑरिवेल स्टे के लिए नए नाम के सुझाव मांगने के रूप में अपनी तरफ से एक सार्वजनिक आमंत्रण जारी किया है। ओयो जल्द ही अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बना रही है, और इसके साथ ही प्रीमियम खंड में उतारने की भी तैयारी कर रही है। विजेता को 3 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा उन्होंने एक नई पहचान बनाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर नाम के सुझाव मांगने का तरीका अपनाया है। इस प्रक्रिया के दौरान विजेता को 3 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा और उन्हें ओयो के संस्थापक से मिलने का भी अवसर मिलेगा। उनका कहना है कि हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल श्रृंखला नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं - बल्कि शहरी नवाचार एवं आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी। ओयो अपने प्रीमियम होटल और 'मिड-मार्केट' सेगमेंट के लिए अलग ऐप की योजना बना रही है, क्योंकि इस खंड में वृद्धि का सुझाव है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे, लेकिन डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद बंद हुए। एशियाई बाजार में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.40 प्रतिशत उछल कर 5,912.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,175.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,189.02 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार गिरावट का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,716.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,779.72 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 104.96 अंक यानी 0.44 प्रतिशत लुढ़क कर 23,933.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में नजर आ रहा है। ताइवान और इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। एशियाई बाजारों में से इकलौता गिफ्ट निफ्टी 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 24,939 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, कोस्पी इंडेक्स 0.77 प्रतिशत टूट कर 2,699.77 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,156.96 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 552.02 अंक यानी 1.44 प्रतिशत फिसल कर 37,880.96 अंक तक गिर गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 331.17 अंक यानी 1.40 प्रतिशत लुढ़क कर 23,242.21 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,353.07 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3913.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारत में बनी सेमीकंडक्टर चिप इस साल बाजार में आएगी : केंद्रीय मंत्री

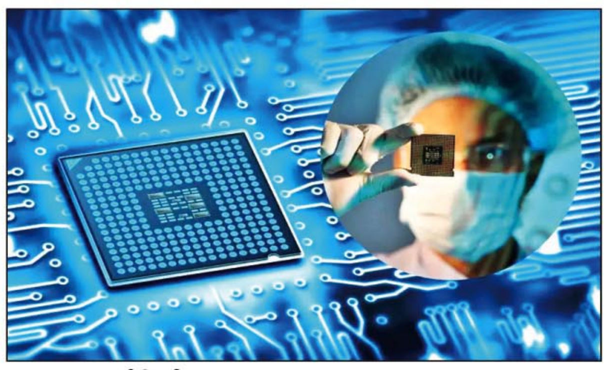

नई दिल्ली

केंद्रीय आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि पहली मेड इन इंडिया 28-90 एनएम की सेमीकंडक्टर चिप इस साल बाजार में लॉन्च होगी। उन्होंने सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में बताया कि भारत में सेमीकंडक्टर प्लांट्स का निर्माण हो रहा है और इस चिप का उपयोग ऑटोमोटिव, दूरसंचार, बिजली और ट्रेनों में किया जाता है।

केंद्रीय मंत्री ने देश में मॉडलों के विकास के लिए राष्ट्रीय समृद्धि को बढ़ाने के लिए भारतीय संस्कृति, भाषाओं और सामाजिक मानदंडों पर एआई के योगदान को महत्व दिया। जिससे भारत को उद्योग और क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाने में सहायक हो सकता है।

रेल मंत्रालय के कार्यभार संभालने वाले वैष्णव ने भी बताया

भारत में किया जा रहा है सेमीकंडक्टर प्लांट्स का निर्माण

कि मालवाहक और यात्री वहन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे भारत ने विश्व में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। इस विकास के साथ भारत का नाम विश्व में उच्च स्थान पर ऊंचा किया गया है। नए और नवाचारी चिप्स के लॉन्च से देश के आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में नए दिशानिर्देश बने हैं और भारतीय उद्योग को विश्वस्तरीय मानकों पर पहुंचाने के लिए तैयारी में है।

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के रेल मंत्रालय का कार्यभार संभालने वाले वैष्णव ने कहा हमने 1,612 मिलियन टन माल की ढुलाई के साथ अमेरिका और रूस को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में दूसरे सबसे बड़े मालवाहक रेलवे बनने की बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारी यात्री वहन क्षमता में भी काफी वृद्धि हुई है। हम उस स्तर पर पहुंच गए हैं जहां सपने पूरे हो रहे हैं और लक्ष्य हासिल किए जा रहे हैं। हम रेलवे में एक स्थिर दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और अधिक उद्योगों को इसमें शामिल होना चाहिए।

इंडिगो चालू 10 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी: सीईओ

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने घोषणा की कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने लंदन, एथेंस सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने का निश्चय लिया है। इनमें शामिल हैं एम्स्टर्डम, मैनचेस्टर, कोपेनहेगन, सिएम रीप, और मध्य एशिया के कुछ स्थान। एल्बर्स ने विमानन क्षेत्र में भारत के स्थायी आधार की तारीफ की और कहा कि इंडिगो के लिए यह एक बड़ा क्षेत्र है जहां वे अब और अधिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित हैं। कंपनी ने हाल ही में मुंबई से मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए बोइंग 787-9 विमान के साथ सीधी उड़ानें प्रारंभ की है। इसके साथ ही इंडिगो ने इस साल की आय को 10 अरब अमेरिकी डॉलर पार कर लिया है। कंपनी व्यापक सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ रोजाना 2,300 से अधिक उड़ानें संचालित करती है, जिससे इसे एक अग्रणी विमानन कंपनी बनाता है।

आरबीआई का बड़ा फैसला : पुराने और कटे-फटे नोटों से बनेगा पार्टिकल बोर्ड

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारत के हर राज्य में बदलते मौसम और परिवेश के चलते होने वाली नोटों की मुद्रा को संभालकर रखने के लिए एक अनोखा कदम उठाया है। लंबे समय तक निष्क्रिय रखे गए पुराने, गले, और कटे-फटे नोटों का निपटारा करने के लिए आरबीआई ने पार्टिकल बोर्ड बनाने का फैसला लिया है। हर साल आरबीआई के पास 15,000 टन से अधिक के ऐसे बर्बाद हो चुके नोट जमा होते हैं, जो प्रदूषित हो चुके होते हैं या अन्य कारणों से उपयोग न होने पर बाहर कर दिए जाते हैं। पहले ये नोट जला दिए जाते थे, लेकिन अब आरबीआई इन नोटों को पार्टिकल बोर्ड में बदलकर कंपनियों को बेचेगा। यह प्रक्रिया कंपनियों को सस्ता और टिकाऊ कच्चा माल प्रदान करेगी, साथ ही आरबीआई के लिए भी नुकसान कम होगा। पार्टिकल बोर्ड निर्माण कंपनियों से इनका सम्पर्क करने में आरबीआई की विशेष महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिससे पर्यावरण के हित में अधिक समाधान हो सके। इस कदम से न केवल नोटों की मात्रा कम होगी, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

छोटे कर्जदार आरबीआई के स्वर्ण ऋण मानदंडों से होंगे बाहर

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा कि उसने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने वालों के हितों की रक्षा के लिए मानदंडों और तौर-तरीकों से संबंधित दिशानिर्देशों पर गौर किया है। यह निर्देश छोटे कर्जदारों को आरबीआई के प्रस्तावित नियमों से बाहर रखने के लिए सलाह देते हैं। इस निर्देश को लेकर तमिलनाडु में राजनीतिक दलों के विरोध के बावजूद वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसके लिए मार्गदर्शन दिया है। डीएफएस ने भी केंद्रीय बैंक को छोटे स्वर्ण ऋण लेने वालों की आवश्यकताओं का विचार करने की सलाह दी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने भी इस मुद्दे पर भारतीय रिजर्व बैंक को नए दिशा-निर्देशों में प्रस्तावित प्रतिबंधों पर पुनर्विचार करने की सलाह दी है। ऋणदाताओं को उपयुक्त नियमों का पालन करना होगा इसके बावजूद आरबीआई ने मसौदे में कहा है कि ऋणदाताओं को उपयुक्त नियमों का पालन करना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि सीमित स्वर्ण ऋण लेने वालों की आवश्यकताओं का ध्यान दिया जाए।

पंप एंड डंप मामले में फंसे अरशद वारसी, सेबी ने स्टॉक मार्केट में एंट्री पर 1 साल के लिए लगाया बैन

अरशद वारसी, उनकी पत्नी और भाई पर बैन के साथ ही जुर्माना भी लगा

नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी, उनकी पत्नी मारिया गोरेट और उनके भाई पर पंप एंड डंप मामले में कार्रवाई करते हुए उनपर 1 साल के लिए सिक्योरिटी मार्केट में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मार्केट रेगुलेटर ने इन लोगों पर पांच-पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही कुल मिलाकर इनसे 1.05 करोड़ रुपये की गलत तरीके से की गई काली कमाई को जब्त करने का भी आदेश दिया है।

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने ये कार्रवाई साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड (एसबीएल) के शेयरों के भाव को गलत तरीके अपना कर बढ़ाने और फिर उन्हें ऊंचे दाम पर बेचने के मामले (पंप एंड डंप) में की है। इस मामले में सेबी ने सात अन्य लोगों पर 5 साल के लिए स्टॉक मार्केट में एंट्री पर कंप्लीट बैन लगाया है। इसके साथ ही कुल 54 लोगों पर 1 साल के लिए बैन लगाया गया है। इन 54 लोगों में ही अरशद वारसी, उनकी पत्नी और उनके भाई का नाम भी शामिल हैं। आपको बता दें कि साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड का नाम अब बदल कर क्रिस्टल बिजनेस सिस्टम लिमिटेड हो चुका है।

आरोपों के मुताबिक मनीष मिश्रा नाम के मुख्य आरोपित ने बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी और अन्य लोगों के साथ मिलकर साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड के बारे में गलत तरीके से पॉजिटिव माहौल बनाया, जिसके कारण निवेशकों ने धड़ाधड़ कंपनी के शेयर खरीदे। जमकर खरीदारी होने के कारण कंपनी के शेयर के भाव में जोरदार तेजी आ गई। दावा किया जा रहा है कि अरशद वारसी समेत अन्य लोगों को भी इस बात की जानकारी थी कि मनीष मिश्रा कंपनी के शेयर के भाव गलत तरीके से बढ़ाने के लिए स्ट्रक्चर्ड ट्रेडिंग कर रहा है। सेबी की जांच में पता चला कि साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड के शेयरों की कीमत बढ़ाने के लिए फर्जी यूट्यूब वीडियो जारी किए जा रहे थे। इसके साथ ही स्ट्रक्चर्ड ट्रेडिंग के लिए अन्य तरीकों का भी सहारा लिया जा रहा था। कंपनी के शेयरों के प्रति निवेशकों को लुभाने के लिए यूट्यूब पर फर्जी कंटेंट अपलोड करने के साथ ही पेड मार्केटिंग कैंपेन भी चलाया गया। शेयरों का भाव बढ़ने पर कंपनी के प्रमोटर्स ने अपने शेयरों को ऊंचे भाव में रिटेल इन्वेस्टर्स के बीच बेच दिया। इस मामले में अरशद वारसी उनकी पत्नी और उनके भाई की ओर से दावा किया गया कि वे शेयर बाजार के लिए नए थे और बाजार की बारीकियों की उनको जानकारी नहीं थी। उनका ये भी दावा था कि वे धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं और उन्हें काफी नुकसान भी हुआ है। हालांकि मार्केट रेगुलेटर ने अरशद वारसी, उनकी पत्नी और उनके भाई के दावे को खारिज करते हुए अपने अंतिम आदेश में कहा कि अरशद वारसी ने 27 जून 2023 को सेबी को बयान दिया था कि उन्होंने अपने अकाउंट के अलावा अपनी पत्नी और भाई के अकाउंट से भी ट्रेडिंग की थी। सेबी के आदेश में कहा गया है कि अरशद वारसी और मनीष मिश्रा के बीच हुई व्हाट्सएप चैट से इस बात का भी पता चला है कि मिश्रा ने वारसी, उनकी पत्नी और उनके भाई के बैंक अकाउंट में 25-25 लाख रुपये ट्रांसफर करने का प्रस्ताव भी दिया था। सेबी की जांच में इस मामले में साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड (एसबीएल) के प्रमोटर्स के भी शामिल होने का पता चला। सेबी को मनीष मिश्रा, सुभाष अग्रवाल और साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड के प्रमोटर्स के बीच हुए व्हाट्सएप चैट भी मिले हैं। सेबी की जांच में इस बात का भी पता चला कि पंप और डंप के इस मामले में सबसे अधिक 18.33 करोड़ रुपये का फायदा गौरव गुप्ता को हुआ।

पटना में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मिले प्रधानमंत्री मोदी

पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पटना एयरपोर्ट पर भारत के युवा क्रिकेटिंग सितारे वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात की। इस विशेष भेंट के दौरान प्रधानमंत्री ने वैभव को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल क्रिकेट भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने वैभव की क्रिकेट प्रतिभा की सराहना की और कहा कि देशभर में उनके खेल की खूब तारीफ हो रही है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर लिखा, पटना एयरपोर्ट पर भारत के युवा क्रिकेट सितारे वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात हुई। उनकी क्रिकेट प्रतिभा को पूरे देश में सराहा जा रहा है! उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

बीसीए अध्यक्ष की पहल से हुई खास मुलाकात

इस मुलाकात को संभव बनाने का श्रेय बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) के अध्यक्ष राकेश तिवारी को जाता है। उन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) और बीसीसीआई से विशेष अनुमति लेकर वैभव को गुरुवार को पटना बुलाया और प्रधानमंत्री से भेंट करवाई।

बीसीए अध्यक्ष ने कहा, यह सिर्फ वैभव के लिए नहीं, बल्कि पूरे बिहार क्रिकेट के लिए एक उपलब्धि है। इससे साबित होता है कि बिहार में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस ज़रूरत है सही मंच, अवसर और मार्गदर्शन की।

आईपीएल में धमाल मचा चुके हैं वैभव

बिहार से ताल्लुक रखने वाले वैभव सूर्यवंशी ने इस साल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने 7 मैचों में 206.56 की स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए थे और सबका ध्यान खींचा था। पिछले साल वह आईपीएल नीलामी में खरीदे जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे, जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ में टीम में शामिल किया था।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चमके

वैभव ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में बड़ौदा के खिलाफ 42 गेंदों में 71 रन की पारी खेलकर लिस्ट-ए में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में खेले गए यूथ टेस्ट मैच में सिर्फ 58 गेंदों में शतक जड़कर भारत की ओर से सबसे तेज़ यूथ टेस्ट सेंचुरी बनाने का कारनामा किया। इसके अलावा एसीसी अंडर-19 एशिया कप में भी दो अहम अर्धशतकों के साथ भारत को फाइनल तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। वैभव की यह मुलाकात उनके करियर के लिए प्रेरणास्रोत साबित हो सकती है और बिहार क्रिकेट के उज्जवल भविष्य की एक नई उम्मीद भी।

न्यूज ब्रीफ

सिंगापुर ओपन 2025: सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शुक्रवार को सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में जीत दर्ज कर सिंगापुर ओपन 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने मलेशिया की जोड़ी गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन को सीधे गेमों में 21-17, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला। इस सीजन बीडब्ल्यूएफ टूर पर भारतीय जोड़ी इंडिया ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में हार चुकी है। खास बात यह है कि इंडिया ओपन में सात्विक-चिराग को हराने वाली जोड़ी भी गोह और इज्जुद्दीन ही थी, जिनसे इस बार उन्होंने बदला लिया। अब सात्विक और चिराग की नजर इस सीजन के अपने पहले फाइनल में जगह बनाने पर होगी। इसके लिए उन्हें मलेशिया की एक और जोड़ी से भिड़ना होगा। इनमें मान वेई चोंग-काई वुन टी या फिर आरोन चिया-सोह वूई यिक की जोड़ी हो सकती है। दोनों ही जोड़ियां टूर्नामेंट में सीडेड हैं। गौरतलब है कि सात्विक-चिराग इस टूर्नामेंट में भारत की इकलौती चुनौती बचे हैं। पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद समेत अन्य खिलाड़ी पहले ही बाहर हो चुके हैं।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : भारत की पुरुष 4×100 मीटर रिले टीम हीट में अयोग्य घोषित

गुमी (दक्षिण कोरिया)। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत की पुरुष 4×100 मीटर रिले टीम को हीट्स के दौरान अयोग्य (डिसक्वालिफाई) घोषित कर दिया गया। यह घटना शुक्रवार को गुमी में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान हुई। मणिकंता होब्लिदार, अम्लान बोर्गोहेन, राहुल कुमार और प्रणव गुरव की चौकड़ी ने हीट रेस में दूसरा स्थान हासिल किया था, जो सामान्यतः फाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त होता है, लेकिन टाइमिंग डिस्प्ले के दौरान टीम के नाम के आगे डिसक्वालिफाई लिखा नजर आया।
बाद में पुष्टि हुई कि भारतीय टीम ने बैटन एक्सचेंज टेकओवर जोन से बाहर किया, जो वर्ल्ड एथलेटिक्स के तकनीकी नियम 24.7 का उल्लंघन है। इसी कारण उन्हें रेस से बाहर कर दिया गया। भारत ही नहीं, मलेशिया की टीम भी इसी गलती के चलते अयोग्य घोषित कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, भारत ने इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि भारतीय टीम में इस रेस के दौरान दो नियमित धावक गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजुर नहीं खेले, जिनकी जगह प्रणव और राहुल को मौका दिया गया था। यही बदलाव भी टीम के तालमेल में कमी का कारण माना जा रहा है।

फोर नेशंस हॉकी टूर्नामेंट: भारतीय जूनियर महिला टीम को चिली ने शूटआउट में हराया

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के रोसारियो में चल रहे फ्रेंडली फोर नेशंस हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को चिली के खिलाफ शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा। सुखवीर कौर और कनिका सिवाच ने भारत के लिए किए गोल भारत के लिए सुखवीर कौर (35) और कनिका सिवाच (47) ने गोल किए, जबकि चिली की ओर से जासिंटा सोलारी (27) और कप्तान लॉरा म्यूलर (42) ने गोल दागे। चिली ने दूसरे क्वार्टर में जासिंटा सोलारी के पेनल्टी कॉर्नर गोल की मदद से 27वें मिनट में बढ़त हासिल की। इसके जवाब में भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही वापसी की और सुखवीर कौर ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद चिली ने एक बार फिर बढ़त बनाई, जब कप्तान लॉरा म्यूलर ने 42वें मिनट में शानदार फील्ड गोल किया। लेकिन भारत ने चौथे क्वार्टर की जोरदार शुरुआत की और कनिका सिवाच ने 47वें मिनट में बराबरी का गोल कर मैच को रोमांचक बना दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबरी पर रहने के कारण मुकाबला शूटआउट में गया, जहां चिली ने 3-1 से जीत दर्ज की। चिली के लिए जोसेफिना कॉन्सटांज़ा गुटिरेज़, इसाबेल लियोनोर मेसेन, और ट्रिनिडैड एंटोनिया बारियोज़ ने शूटआउट में गोल किए, जबकि भारत की ओर से केवल सोनम ही स्कोर कर सकीं। भारतीय टीम अब 1 जून 2025 (भारतीय समयानुसार) को अपने अगले मुकाबले में उरुग्वे से भिड़ेगी।

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ घोषित की मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी20 टीम, पहला मुकाबला 21 जून को

नई दिल्ली

डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) ने इंग्लैंड में जून और जुलाई 2025 में होने वाली सात मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय पुरुष मिक्स्ड डिसएबिलिटी टीम की घोषणा कर दी है। मिक्स्ड डिसएबिलिटी वाइटैलिटी टी20 सीरीज़ का पहला मुकाबला 21 जून 2025 को टॉनटन खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मुकाबला 23 जून को वॉर्म्सली में शुरू होगा। सीरीज़ का समापन 3 जुलाई को ब्रिस्टल में सातवें टी20 मैच के साथ होगा। टीम की कप्तानी अपने क्रिकेट अनुभव, अनुशासन और कुशल नेतृत्व क्षमता के लिए प्रख्यात रविंद्र गोपीनाथ शांते को दी गई है।

टीम की घोषणा पर खुशी जाहिर करते हुए डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान ने कहा,यह सीरीज़ संभावनाओं की नई परिभाषा है, जो डिसएबिलिटी क्रिकेट में नए आयाम स्थापित करेगी। लॉर्ड्स को क्रिकेट का मक्का कहा जाता है और हर क्रिकेटर यहां खेलने के सपने देखता है। हमारे खिलाड़ियों के लिए भी यह इतिहास और गर्व का प्रतीक है। हमें उम्मीद है कि बीसीसीआई हमारी टीम को भी उसी तरह समर्थन देगा जैसे ईसीबी अपनी पैन डिसएबिलिटी टीम को देता आया है।

संयुक्त सचिव अभय प्रताप सिंह ने कहा, यह सिर्फ एक टीम या प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि खुद को साबित करने का महामंच है।यह डिसेबल खिलाड़ियों का सीधा संदेश है कि समावेशन, दृढ़ संकल्प और एकता क्या हासिल कर सकती है।

पूर्व राजस्थान रणजी कप्तान व टीम के मुख्य कोच रोहित झलानी ने कहा, यह टीम किसी भी एलीट स्क्वॉड की तरह प्रतिस्पर्धा करती है। इनका समर्पण और जुनून देखने लायक है, मुझे विश्वास है कि यह टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए पूरी तरह से तैयार है।

इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए 7 से 14 जून तक जयपुर में एक राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें शारीरिक फिटनेस, रणनीति और टीम तालमेल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह श्रृंखला भारत की पैन-डिसएबिलिटी क्रिकेट टीम का अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐतिहासिक डेब्यू है। इसमें शारीरिक, बधिर और बौद्धिक अक्षमता वाले खिलाड़ी एक साथ शामिल हैं, जो भारत की समावेशी खेल भावना को दर्शाते हैं। यह दौरा इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सहयोग से आयोजित किया गया है और वैश्विक खेल जगत में उपस्थित दर्ज कराने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ मैच इंग्लैंड के मुख्य क्रिकेट कैलेंडर के प्रमुख मुकाबलों के साथ डबल हेडर के रूप में भी खेले जाएंगे। 1 जुलाई को ब्रिस्टल में छठा टी20 मुकाबला इंग्लैंड महिला बनाम भारत महिला अंतरराष्ट्रीय मैच के साथ खेला जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण स्काई स्पोर्ट्स पर किया जाएगा।

भारतीय टीम-रविंद्र गोपीनाथ साने (कप्तान) (पीडी), वीरेंद्र सिंह (उप-कप्तान) (बधिर), राधिका प्रसाद (पीडी), राजेश इरप्पा कन्नूर (पीडी), योगेन्द्र सिंह (विकेटकीपर), नरेंद्र मंगोरे (पीडी), विक्रांत रविंद्र केनी (पीडी)

साई आकाश (बधिर), उमर अशरफ (बधिर), संजू शर्मा (बधिर), अभिषेक सिंह (बधिर), विवेक कुमार (बधिर), विकास गणेशकुमार (आईडी), प्रवीण नैलवाल (आईडी), ऋषभ जैन (आईडी), तरुण (आईडी)

रिज़र्व खिलाड़ी: माजिद मैगर (पीडी), कुलदीप सिंह (बधिर), कृष्णा गौड़ा (बधिर), जितेंद्र नागराजू (पीडी)।

मिक्स्ड डिसएबिलिटी वाइटैलिटी टी20 सीरीज़ का कार्यक्रम

- पहला मुकाबला शनिवार, 21 जून, टॉनटन, शाम 6:30 बजे
- दूसरा मुकाबला सोमवार, 23 जून, वॉर्म्सली, शाम 5:00 बजे
- तीसरा मुकाबला बुधवार, 25 जून, लॉर्ड्स, दोपहर 3:30 बजे
- चौथा मुकाबला शुक्रवार, 27 जून, वॉर्सेस्टर, शाम 5:00 बजे
- पांचवां मुकाबला रविवार, 29 जून, वॉर्सेस्टर, दोपहर 2:30 बजे
- छठा मुकाबला मंगलवार, 1 जुलाई, ब्रिस्टल, दोपहर 2:00 बजे (डबल हेडर)
- सातवां मुकाबला गुरुवार, 3 जुलाई, ब्रिस्टल, शाम 6:30 बजे।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

भारत ने मारी ज़ोरदार छलांग, पदक तालिका में पहुंचा दूसरे स्थान पर

गुमी (दक्षिण कोरिया)

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत ने तीसरे दिन गुरुवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अविनाश साबले, ज्योति याराजी और महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम की स्वर्णिम जीत ने भारत को यह बड़ी उपलब्धि दिलाई।

तीन गोल्ड से बदली तस्वीर, जापान को छोड़ा पीछे

तीसरे दिन भारत ने तीन गोल्ड मेडल जीतकर पदक तालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया। अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में अपनी श्रेष्ठता साबित की, वहीं ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में शानदार फिनिश करते हुए गोल्ड अपने नाम किया। इसके अलावा, महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम ने देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाकर सभी को गर्व से भर दिया। चीन शीर्ष पर, भारत ने बनाई कड़ी चुनौती अब तक के आंकड़ों के अनुसार चीन 21 पदकों (12 स्वर्ण, 6 रजत, 3 कांस्य) के साथ पदक तालिका में पहले स्थान पर बना हुआ है। भारत 5 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य पदकों के साथ कुल 14 मेडल जीतकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जापान भी चीन जितने ही (21) पदक जीत चुका है, लेकिन उसके पास केवल 4 स्वर्ण हैं, इसी वजह से वह तीसरे स्थान पर है। कतर और ईरान भी दौड़ में शामिल चौथे स्थान पर कतर है, जिसने अब तक 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। ईरान 2 स्वर्ण पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है, हालांकि उसके खाते में अभी तक कोई रजत या कांस्य पदक नहीं आया। अब सबकी निगाहें 31 मई पर एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का समापन 31 मई को होगा और उम्मीद की जा रही है कि भारत अपनी पदकों की संख्या में और इज़ाफा कर सकेगा। मौजूदा प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय एथलीट अब एशिया में शीर्ष स्थान के लिए सशक्त दावेदार बन चुके हैं।

नॉर्वे शतरंज में मैग्नस कार्लसन की दमदार वापसी, चौथे राउंड के बाद ली बढ़त

विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने भारतीय नंबर 2 अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ एंडगेम में शानदार जीत दर्ज कर यह दिखा दिया कि वह क्यों विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। पिछले दो राउंड में आर्मागेडन गेम हारने के बाद कार्लसन ने अपने घरेलू मैदान पर जोरदार वापसी की है। विश्व चैंपियन डी गुकेश और विश्व नंबर 3 फाबियानो कारुआना के बीच मुकाबले में कारुआना लगभग पूरे खेल में बेहतर स्थिति में थे और जीत के प्रबल दावेदार दिख रहे थे। लेकिन गुकेश की बेहतरीन डिफेंसिव क्षमता के चलते वे अपनी बढ़त को जीत में नहीं बदल सके। इसके बाद गुकेश ने आर्मागेडन मुकाबला आसानी से जीत लिया। विश्व नंबर 2 हिकारु नाकामुरा और चीनी खिलाड़ी वे यी के बीच क्लासिकल मुकाबला रोमांचक ड्रॉ पर खत्म हुआ। हालांकि आर्मागेडन टाईब्रेकर में वे यी ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। नॉर्वे शतरंज महिला स्पर्धा में अन्ना मुझ्यचुक और कोनेरु हम्पी संयुक्त बढ़त पर नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट के चौथे दिन भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। टूर्नामेंट में पहली बार खेल रही सारा खदेमालशरीह ने तिंगजी लेई के खिलाफ आक्रामक अंदाज में जीत दर्ज करते हुए अपना खाता खोला।

न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का निधन, 77 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का गुरुवार को 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए उक्त जानकारी दी। ट्रिस्ट ने न्यूजीलैंड को साल 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह न्यूजीलैंड पुरुष टीम का पहला वैश्विक खिताब था।

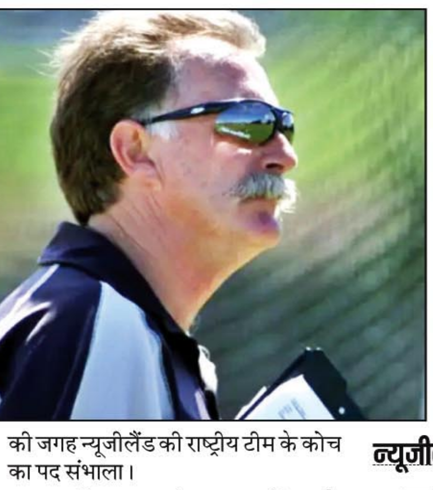

14 साल तक खेले घरेलू क्रिकेट, फिर बने सफल कोच

डेविड ट्रिस्ट ने अपने करियर में 14 वर्षों तक कैंटरबरी के लिए तेज गेंदबाज के रूप में क्रिकेट खेला। इसके बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने कैंटरबरी के अलावा दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और नीदरलैंड्स की टीमों के साथ भी काम किया। साल 1999 में उन्होंने स्टीव रिक्सन की जगह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के कोच का पद संभाला।

2000 में भारत को हराकर दिलाई खिताबी जीत

डेविड ट्रिस्ट के कार्यकाल में न्यूजीलैंड ने नैरोबी में खेले गए फाइनल में भारत को चार विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस मुकाबले में क्रिस केयर्न्स ने नाबाद शतक जड़ा था और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। ट्रिस्ट का कार्यकाल भले ही केवल दो साल का रहा, लेकिन उन्होंने टीम को पहली बार वैश्विक स्तर पर विजयी बनाया।

कोचिंग के बाद भी जुड़े रहे क्रिकेट से

न्यूजीलैंड टीम से विदा लेने के बाद ट्रिस्ट क्राइस्टचर्च के ओल्ड कोलेजियंस क्रिकेट क्लब के कोचिंग डायरेक्टर बने। इसके अलावा उन्होंने भारत और इंग्लैंड में भी कोचिंग के क्षेत्र में काम किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दी श्रद्धांजलि

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए कहा, न्यूजीलैंड क्रिकेट को यह पुष्टि करते हुए गहरा दुख हो रहा है कि पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट का क्राइस्टचर्च में निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट, डेविड के परिवार और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचने पर कप्तान पाटीदार ने कहा-हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे

मुल्लांपुर

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने गुरुवार को पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह चौथा मौका है जब बैंगलोर की टीम फाइनल में पहुंची है। इस जीत के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा कि टीम जहां खेलती है, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर हों। कृपया ऐसे ही समर्थन करते रहिए।

मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा,हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे, खासकर गेंदबाजी में। तेज गेंदबाजों ने पिच का अच्छे से इस्तेमाल किया। सुयश ने भी बहुत अच्छी लाइन-लेंथ में गेंदबाजी की। मैं उसके रोल को लेकर हमेशा स्पष्ट रहता हूं - उसे सिर्फ स्टंप्स पर निशाना लगाना होता है। उसकी गूगली पढ़ना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। मैं उसे ज्यादा निर्देश नहीं देता, ताकि वह कंफ्यूज न हो।

पाटीदार ने आगे कहा, फिल सॉल्ट जिस अंदाज़ में शुरुआत देते हैं, वह देखने लायक होता है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। आरसीबी फैंस का हमेशा शुक्रगुज़ार हूं - हम जहां भी खेलते हैं, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर खेल रहे हों। कृपया इसी तरह हमारा समर्थन करते रहिए।

56 रन की नाबाद पारी खेलने वाले फिल सॉल्ट ने कहा,बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। गेंद थोड़ी मूव हो रही थी, लेकिन ये इस सीजन की सबसे खराब पिच नहीं थी। मेरे दिमाग में एक ही बात चल रही थी - अर्शदीप से आउट मत होना। वह लीग स्टेज में दो बार मुझे अलग-अलग तरीके से आउट कर चुका है, इसलिए बस बॉल पर रिएक्ट करने पर ध्यान था।

उन्होंने आगे कहा, मैंने मैच से पहले कोच एंडी फ्लावर से कहा था कि सफर और ब्रेक शायद हमारे लिए फायदे का सौदा बनें। अब इस जीत से हमें जरूरी मोमेंटम मिल गया है, जो टूर्नामेंट के इस चरण में बेहद अहम है।

प्लेयर ऑफ द मैच रहे लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने 4 ओवर में 3 विकेट लेकर पंजाब की कमर तोड़ दी।

उन्होंने कहा,मैंने बस वही किया जो कोच ने प्लान दिया था। आज गेंदबाजी करते समय बहुत अच्छा महसूस कर रहा था। मुझे लगा कि कोई भी मेरी गूगली नहीं पढ़ पा रहा था, जिससे आत्मविश्वास बढ़ गया। हमने इसे एक सामान्य मैच की तरह लिया और सेमीफाइनल जैसा दबाव खुद पर नहीं डाला।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप : अफ्रीकन लायंस ने जीता अपना पहला मुकाबला

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग में गुरुवार रात अफ्रीकन लायंस ने एशियन किंग्स को 6 विकेट से हराकर आसान जीत दर्ज दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एशियन किंग्स को तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज परवेज अजीज (8) के रूप में पहला झटका लगा। हालांकि एक छोर पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज और लायंस के कप्तान तिलकरत्ने दिलशान ने संभाले रखा, पर दूसरी तरफ से लगातार विकेट गिरते रहे। उमंग शर्मा (31) ने उनका साथ निभाने की कोशिश जरूर करी, लेकिन दबाव के चलते छठे ओवर में दिलशान को भी 26 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। जिसके बाद पूरी टीम धराशाई हो गई, अंत में इम्तियाज ने बहुमूल्य 35 रन बनाकर टीम को 138 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पूर्व अफ्रीकाई दिग्गज हर्षेल गिब्स की कप्तानी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफ्रीकन लायंस के सलामी बल्लेबाज राहुल यादव ने 54 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए मैच को शुरुआत में ही एकतरफा कर दिया। जिसके बाद शेखर सिरोही (22) , शिवम शर्मा (21) और अंत में अली मुर्तजा ने 5 गेंद में 18 रन बनाकर टीम को 16.4 ओवर में 6 विकेट से आसान सी जीत दिला दी।

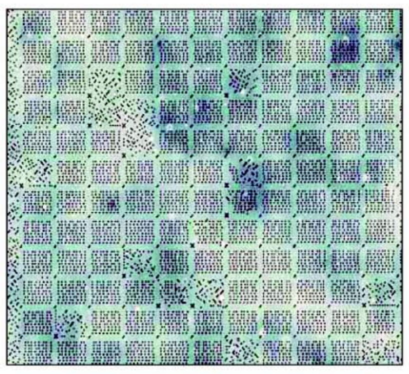

छोटे चिप में समा जाएंगी अब तक लिखी सारी किताबें

नीदरलैंड के वैज्ञानिकों ने दुनिया का सबसे छोटा हार्ड डिस्क बनाने का दावा किया है। सिंगल क्लोरीन एटम पर आधारित डाक टिकट के आकार वाले इस डिस्क में अब तक लिखी गई सारी किताबों को स्टोर किया जा सकता है। मौजूदा समय में हर दिन एक अरब गीगाबाइट से ज्यादा नए आंकड़ों का सृजन हो रहा है। इतनी बड़ी मात्रा में डाटा को स्टोर करने के लिए जरूरी है कि प्रत्येक बिट जितना संभव हो सके उतना कम स्थान ले। डेफ्ट यूनिवर्सिटी के नैनोसाइंस विभाग के वैज्ञानिकों ने यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने एक किलोबाइट (आठ हजार बिट्स) की मेमोरी बनाने में सफलता हासिल की है। इसमें प्रत्येक बिट सिंगल क्लोरीन एटम की स्थिति को दर्शाता है। सैंडर ओट के मुताबिक इस स्टोरेज क्षमता से दुनिया भर में आज तक लिखी गई सारी किताबें एक छोटे से हार्ड डिस्क में स्टोर हो जाएंगी। उनके मुताबिक इस हार्ड डिस्क की स्टोरेज डेंसिटी 500 टेराबिट्स (एक लाख करो? बिट्स) प्रति वर्ग इंच है। यह मौजूदा हार्ड डिस्क की क्षमता से पांच सौ गुना ज्यादा है। वर्ष 1959 में प्रख्यात भौतिकविद रिचर्ड फिनमैन ने पहली बार इसकी कल्पना की थी। वैज्ञानिकों के दल ने एटम की सतह की जांच के लिए नीडल युक्त स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप (एसटीएम) का इस्तेमाल किया। सैंडर ओट ने बताया कि क्लोरीन एटम के छिद्र के ऊपर होने की स्थिति में उसकी संख्या एक मानी जाती है।

व्हाट्सएप पर ऐसे करें नए फॉन्ट का उपयोग

जो लोग व्हाट्सएप का प्रयोग करते हैं वे कई व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होते हैं। ऐसे में अगर वह अपनी चैट पर ग्रुप के अन्य लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं तो वह अपनी चैट का फॉन्ट बदल सकते हैं। इसके अलावा 'कोट' फीचर का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

ऐसे बदलें अपना टैक्स्ट फॉन्ट : चैट के दौरान अगर फॉन्ट को बदलना चाहते हैं तो इसके लिए पहले अपने व्हाट्सएप पर किसी का चैट बॉक्स खोलें। इसके बाद जिस वाक्य या शब्द को बदलना चाहते हैं, उससे पहले तीन बार (') टाइप करें और वाक्य या शब्द खत्म होने के बाद दोबारा इस कैरेक्टर को तीन बार (') टाइप करें। हालांकि ध्यान देने वाली बात यह है कि फोन के की-बोर्ड में (') इस तरह के दो निशान मिलेंगे, अगर पहले वाले का इस्तेमाल करने से टैक्स्ट का फॉन्ट नहीं बदल रहा है तो आप दूसरे वाले (') चिन्ह का प्रयोग कर सकते हैं। ध्यान रखें कि भेजने से पहले ही यह शब्द अपने आप बदल जाते हैं। यह फीचर उन लोगों को काफी पसंद आ सकता है जो अपने टैक्स्ट फॉन्ट को अन्य लोगों से अलग और रचनात्मक दिखाना चाहते हैं।

व्हाट्सएप में है 'कोट' फीचर : ग्रुप या फिर निजी चैट में आप किसी एक मैसेज पर ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं तो 'कोट' फीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं। बताते चलें कि व्हाट्सएप ने जून में lets users quote messages फीचर लॉन्च किया था। यह फीचर जवाब देने के लिए प्रयोग किया जाता है।

नाइटमेयर डिसऑर्डर: डराके गया सपना...!

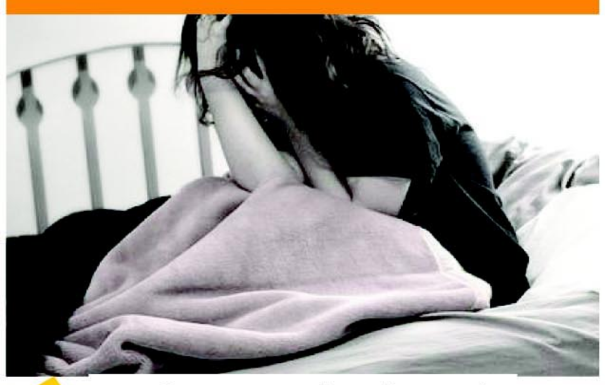

कभी-कभार आने वाले डरावने सपने सामान्य बात हैं, मगर यदि यह नियमित सिलसिला बन जाए, तो इसे विकार माना जाता है, जिसका उपचार जरूरी है।

सपने सब देखते हैं, भले ही कुछ लोगों को जागने पर ये याद न रहते हों। नींद की अवस्था में हमारा मस्तिष्क जो वैकल्पिक यथार्थ या काल्पनिक फिल्म रचकर प्रदर्शित कर देता है, उसी को हम सपना कहते हैं। मसाला फिल्मों की ही तरह हमारे सपनों में एक्शन, इमोशन, रोमांस, कॉमेडी आदि सारे तत्व मौजूद रहते हैं– कुछ कम, तो कुछ ज्यादा। कभी–कभी ये सपने हॉरर फिल्म के रूप में भी सामने आते हैं। इन्हें हम डरावना सपना, बुरा सपना, नाइटमेयर या दुस्वप्न कहते हैं। बच्चों को डरावने सपने आना आम बात है, जिसके कारण वे रोते हुए जाग जाते हैं। मगर ऐसा नहीं है कि वयस्कों को डरावने या बुरे सपने नहीं आते।

यदा–कदा ऐसे सपने हर किसी को आते हैं। डर के मारे आपकी नींद टूट जाती है, आप हड़बड़ाकर उठ बैठते हैं, धड़कन व सांस तेज चलती हुई महसूस होती है। फिर, आपको एहसास होता है कि यह तो महज एक सपना था...। तब धीरे–धीरे आप सामान्य होने लगते हैं। मगर जब यह एक नियमित सिलसिला बन जाए, बार–बार डरावने सपने के कारण आपकी नींद टूट जाए, इन सपनों के खौफ के कारण आप सोने से ही कतराने लगें, तो इसे मानसिक विकार माना जाता है, जिसे उपचार की जरूरत होती है। इसे नाइटमेयर डिसऑर्डर या पैरासोम्निया कहते हैं।

पहचान और उपचार

यदि सप्ताह में एक से अधिक बार डरावने सपने आएं, यह सिलसिला लगातार बना रहे और इसके कारण आपकी नींद बार–बार बाधित हो तथा दोबारा नींद आना मुश्किल हो जाए, तो आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए। डॉक्टर पॉलीसोम्नोग्राफी नामक टेस्ट कराने को कह सकते हैं, जिसमें नींद के दौरान हृदय गति, मस्तिष्क तरंगों, ऑक्सीजन के स्तर, सांसों तथा आंखों व टांगों की हरकतों को रेकॉर्ड करने के लिए शरीर के विभिन्ना हिस्सों में सेंसर लगाए जाते हैं। इस टेस्ट के परिणाम के आधार पर डॉक्टर उपचार तय कर सकते हैं।

यदि डरावने सपनों का कारण तनाव या डिप्रेशन है, तो उसका उपचार किया जाता है। यदि किसी दवाई के साइड इफेक्ट के कारण ऐसा हो रहा है, तो डॉक्टर वैकल्पिक दवाई बता सकते हैं। नशीले पदार्थ यदि कारण है, तो उनका सेवन बंद करने से दुस्वप्नों की समस्या भी दूर हो सकती है। कुछ दुर्लभ मामलों में नाइटमेयर डिसऑर्डर को दूर करने के लिए दवाइयां भी दी जा सकती हैं।

नाइटमेयर डिसऑर्डर के कारण

इस डिसऑर्डर के कई कारण हो सकते हैं। एक प्रमुख कारण तो जीवन में हुई कोई त्रासद घटना ही हो सकती है। किसी वजह से यदि आप लगातार तनाव या डिप्रेशन में हैं या फिर व्यग्र हैं, तो भी आपको नियमित रूप से बुरे सपने आ सकते हैं। शराब या ड्रग्स का सेवन भी दु:स्वप्नों का कारण बन सकता है, वहीं इनकी लत छु?ाने की प्र या के दौरान भी ऐसे सपने आ सकते हैं। इसी प्रकार किन्हीं दवाइयों के सेवन से या फिर इनका सेवन अचानक बंद कर देने से भी नाइटमेयर डिसऑर्डर की स्थिति बन सकती है। स्लीप एप्निया (नींद के दौरान सांस लेने में परेशानी से जु?ी समस्या) से ग्रस्त लोग भी नियमित रूप से डरावने सपनों के शिकार हो सकते हैं। कई बार लगातार पर्याप्त नींद से वंचित रहने वाला व्यक्ति जब सोता है, तो ऐसे सपनों का शिकार हो जाता है। इसके अलावा नियमित रूप से डरावनी फिल्में देखने या डरावनी कहानी-उपन्यास प?ने वाले लोगों को भी ऐसे सपने आ सकते हैं। सोने से ठीक पहले भारी भोजन करना भी इसका कारण बन सकता है।

सोशल मीडिया के जरूरी कायदे

दफ्तर में काम करने वाले कर्मचारी, कॉलेज जाने वाले युवा और महिलाएं सभी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। इस प्लेटफॉर्म पर आपकी छवि कैसी बने यह आपके ही हाथ है। कुछ सामान्य बातों का ध्यान रखकर आप अपनी सकारात्मक छवि बना सकते हैं। यह मुश्किल काम नहीं।

अपनी ही अपनी चीजें

कुछ लोग खुद से जुड़ी हर छोटी से छोटी बात सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। यह आपसे जुड़े लोगों के लिए चिढ़ाने वाली होती है। कई बार लोग यह बताते हैं कि हम फलां रेस्टोरेंट गए या अब हवाई जहाज से सफर कर रहे हैं और ऐसी ही फालतू बातें।

प्रतिक्रिया में लेट न हों

अक्सर लोग ई–मेल या सोशल मीडिया पर भेजे गए किसी मैसेज का जवाब कई–कई दिनों बाद देते हैं। यह अच्छा प्रभाव नहीं छोड़ता। 60 मिनट में जवाब देना अच्छा माना जाता है। 30 मिनट में अगर आप जवाब देते हैं तो इससे अच्छा कुछ नहीं। जवाब केवल जरूरी मसलों में ही दें, फिजूल की बातचीत में न उलझें।

हैशटेग का ध्यान

अगर आपकी सभी पोस्ट के साथ हैशटेग का चिह्न रहता है तो यह ठीक बात नहीं। इसलिए अतिमहत्वपूर्ण चीजों या विचार के साथ ही हैशटेग चिह्न का उपयोग करें। कुछ लोग हर छोटी–मोटी बात में हैशटेग का उपयोग करते हैं जो इसका महत्व कम कर देती है।

80 काम, 20 हंसी

आपकी पोस्ट की 80 प्रतिशत चीजें ऐसी हों जो दूसरों के लिए किसी न किसी तरह उपयोगी हों। 20 प्रतिशत चीजें आप सिर्फ आनंद के लिए पोस्ट कर सकते हैं लेकिन ज्यादा बड़ा हिस्सा तो किसी बात पर दूसरों की राय जानने या किसी विषय को उनके साथ साझा करने जैसी चीजों का होना चाहिए।

सीधा संवाद

अपने से जुड़े लोगों के साथ सीधा संवाद रखें। उन्हें सीधे संबोधित करके कोई बात कहें। किसी भी व्यक्ति से बात करते हुए उसे सम्मान के साथ संबोधित करें। बातचीत में संबोधन का बहुत फर्क होता है और वे संबंधों को मजबूत करते हैं।

ट्वीट में जवाब की जगह

जब भी किसी विषय पर ट्वीट करें तो उसमें सामने वाले से आने वाले जवाब की जगह भी हो। एकतरफा संवाद होकर न रह जाए। इस तरह के खुले सिरे वाली बात में नए लोग भी जुड़ पाएंगे।

बिना अनुमति टैग नहीं

यह सामान्य व्यवहार का हिस्सा तो होना चाहिए लेकिन यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि कई लोग इसी कारण आपकी रिपोर्ट कर देते हैं या आपको अपनी फ्रेंड सूची से हटा देते है। वैसे भी बिना अनुमति किसी को टैग करना कहां ठीक है।

स्रोत का उल्लेख

जब कोई पंक्ति या गद्य का कोई टुकडा आप पोस्ट करते हैं या उसे ट्वीट करते हैं तो उसके स्रोत का उल्लेख करना चाहिए। कई लोग दूसरों की पंक्तियों को बिना नाम से पोस्ट करते हैं जो कि अच्छा नहीं है। अगर आप संदर्भ का उल्लेख करते हैं तो आपकी छवि बेहतर होगी।

नियमित रहें

कुछ लोग सोशल मीडिया पर लंबे गैप के बाद सक्रिय होते हैं और ऐसे में बीच में क्या हुआ वे इससे चूक जाते हैं। इसलिए तय करें कि आप दिन के किसी एक खास समय सोशल मीडिया पर रहेंगे या फिर हर दो दिन में एक बार अपना अकाउंट चेक करेंगे।

फोन से डाटा शेयरिंग के लिए इस एप का करें इस्तेमाल

फोन से मल्टीमीडिया फाइल को साझा करने के लिए 'शेयरइट एप' का प्रयोग किया जाता है मगर कभी-कभी एक ही जगह पर कई लोगों के शेयरइट एप ऑन होते हैं और वे आपके फोन पर भी दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में डर लगता है कि कहीं फाइलें किसी और व्यक्ति के साथ साझा न हो जाएं। ऐसी समस्या से बचने के लिए आप Shoot एप का प्रयोग कर सकते हैं जिससे फाइलें भेजने के लिए कि रिस्पोंस कोड (क्यूआर कोड) का इस्तेमाल करना होता है और यह कोड हर एक फोन के लिए अलग-अलग होता है। शूट एप्लीकेशन का प्रयोग करने के लिए के लिए दोनों फोन में इस एप को होना जरूरी है। साथ ही फोन में इंटरनेट कनेक्शन ऑन होना भी जरूरी है ताकि क्यूआर कोड जेनरेट किया जा सके। इस एप को फोन में इंस्टॉल करने के बाद आपको केवल कुछ चरणों को अपनाना होता है उसके बाद आपका डाटा दूसरे यूजर के साथ साझा हो जाएगा।

फाइल चयन के बाद आएगा क्यूआर कोड : शूट एप को डाउनलोड करने के बाद एप में 'सेंड' और 'रिसीव' का विकल्प मिलेगा। शेयरइट की तरह अगर आप फाइल सेंड करना चाहते हैं तो इसके लिए सेंड पर क्लिक करें। उस पर क्लिक करने के बाद फोन की गैलरी ओपेन होगी। इसमें से आप जिस भी फाइल, फोटो या वीडियो को दूसरे यूजर के साथ साझा करना चाहते हैं उसका चयन करें। फाइल का चयन करने के बाद क्यूआर कोड का विकल्प डिस्प्ले पर आ जाएगा। जैसे ही क्यूआर कोड दूसरे फोन में स्कैन करेंगे वैसे ही चयन की गईं फाइलें दूसरे फोन में ट्रांसफर हो जाएंगी।

ऐसे करें फाइल को रिसीव : इसके बाद आप जिस फोन में फाइल और वीडियो प्राप्त करना चाहते हैं तो शूट एप में दिए गए 'रिसीव' बटन पर क्लिक करें। रिसीव बटन पर क्लिक करते ही क्यूआर कोड स्कैन करने का विकल्प आएगा और उसे स्कैन करने के बाद आपके डिवाइस में फाइल आनी शुरू हो जाएंगी।

फलों के रस के साथ ना ले दवाई

दवाओं को अगर पानी के साथ न लेकर जूस के साथ लेने की आदत है, तो इसे सुधार लीजिए, क्योंकि इससे दवाओं का असर कम हो सकता है. अंगूर का रस शरीर में कुछ दवाओं को सोखने की क्षमता कम कर सकता है, वहीं संतरा और सेब के जूस शरीर में दवाओं की सोखने की क्षमता कम कर उनके असर को कम कर सकते हैं.

अंगूर का रस रक्तधारा में जाने वाली दवाओं की मात्रा कम कर देता है. डॉक्टरों ने कॉलेस्ट्रॉल, उच्च रक्तचाप और दिल की धड़कन की दवा लेने वाले मरीजों को अंगूरों का रस न पीने की चेतावनी दे रखी है.

शोध में पता चला है कि रस में मौजूद तत्व दवा के सोखने की क्षमता को प्रभावित करते हैं. कुछ रसायन दवा को ले जाने वाले तत्वों को बाधित कर देते हैं, जिससे दवा के सोखने की क्षमता कम हो जाती है, जबकि कुछ रसायन ड्रग्स मेटाबॉलिज्म एंजाइम जो आम तौर पर दवा को तोड़ने का काम करते हैं, उन्हें बाधित कर देते हैं. आम तौर पर पानी के साथ दवा लेना सुरक्षित होता है. एक घूंट के बजाय एक ग्लास बेहतर होता है, क्योंकि यह दवा को घुलने में मदद करता है. ठंडे पानी की बजाए गर्म पानी ज्यादा बेहतर रहता है.

मौसम भले बदले लेकिन खानपान पर हो ध्यान

बचपन के दिन मौज–मस्ती और शैतानी वाले होते हैं। इन्हीं दिनों में शरीर का विकास भी होता है, इसलिए बच्चों के खानपान पर समुचित ध्यान देना बहुत जरूरी हो जाता है। मौसम में जब बदलाव हो रहे हों तब इस संदर्भ में अभिभावकों की जिम्मेदारी और ब? जाती है।

खासकर बारिश में जब खाद्य पदार्थों से संक्रमण के कारण सबसे ज्यादा समस्याएं पैदा होती हैं। कारण है इस मौसम में चटपटा, तला–भुना फास्ट फूड खाने के लिए बच्चों का ज्यादा मन होना। अक्सर बच्चे स्कूल जाने से पहले नाश्ता नहीं करते और स्कूल जाकर कैंटीन में दावत उड़ाते हैं। यह वैसे भी कोई अच्छी बात नहीं है, ऊपर से बारिश की घिच–पिच ऐसे में तमाम किस्म के इंफेक्शन को सीधा बुलावा देती है।

नाश्ता तो करना ही है

चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. आरसी गुप्ता बताते हैं कि मौसम कोई भी हो, बच्चों को सुबह का नाश्ता करने के लिए अवश्य उत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। यह सेहत के लिए बुरी बात है। बच्चे को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार स्नैक्स जरूर देने चाहिए। स्नैक्स का सबसे अच्छा विकल्प फल और ड्राई फ्रूट्स हो सकते हैं जबकि इन दिनों माएं बच्चों को खुश करने के लिए जंक फूड और फास्ट फूड देकर जिम्मेदारी पूरी कर लेती हैं।

रेसिपी

फलाहारी कच्चे केले की पकौड़ी

सामग्री

200 ग्राम सिंघाड़े का आटा, 4–5 कच्चे केले, 2 हरी मिर्च, सेंधा नमक (व्रत में खाने वाला), अदरक का टुकड़ा, घी अथवा मूंगफली का तेल (पर्याप्त मात्रा में तलने के लिए)।

विधि

सबसे पहले केले के दो टुकड़े करके छिलके सहित उबाल लीजिए। ध्यान रखें कि केले ज्यादा गलने न पाएं। ठंडे होने पर इनके छिलके उतार कर गोल–गोल टुकड़े काट कर रख लें। टुकड़े अब सिंघाड़े आटे का घोल तैयार करें। इसमें अपने स्वादानुसार हरी मिर्च, अदरक काट कर डालें तथा अंदाज से नमक मिला दें। घोल को गाढ़ा ही रहने दें। मोयन के लिए थोड़ा–सा घी अथवा तेल घोल में डाल दें। एक कड़ाही में घी/तेल गरम कर लें और केले के टुकड़े को घोल में लपेट कर घी में छोड़ते जाएं। दोनों तरफ से कुरकुरे होने तक सेंक लें। अब इन पकौड़ों को इमली की मीठी और हरी चटनी के साथ पेश करें।

कच्चे केले की लजीज टिकिया

सामग्री

5 कच्चे केले, 250 ग्राम उबले आलू, 30 ग्राम कुट्टू का आटा, अदरक, 2–3 हरी मिर्च, लाल मिर्च पावडर एक चम्मच, 2 चम्मच भूना जीरा पावडर, आधा चम्मच अमचूर पावडर, 100 ग्राम पनीर, घी तलने के लिए, सेंधा नमक या नमक स्वादानुसार, हरा धनिया, पाव कटोरी किशमिश।

विधि

पहले कच्चे केले को उबालें, छीले और ठंडा होने के लिए रख दें। अब धनिया, हरी मिर्च व अदरक को बारीक काट लें। उबले केले और आलू का मिश्रण तैयार करके अदरक, हरी मिर्च और हरा धनिया मिला लें। इसमें कुट्टू का आटा, सेंधा नमक, मिर्च और जीरा पावडर मिलाएं और छोटी–छोटी गोलिया बनाकर रख लें। अब एक दूसरे बर्तन में पनीर को लेकर किशमिश, नमक, अदरक, मिर्च और धनिया मिलाएं। इस मिश्रण को केले के गोले में भरकर टिक्की की तरह हाथ से दबा लें। अब अपनी सुविधानुसार इसे नॉन स्टिक तवे पर या ड्रीप फ्राई कर गरमागरम टिकिया को हरी और मीठी चटनी के साथ पेश करें।

नोट: आप चाहे तो ऊपर से फलाहारी आलू की सेंव भी बुरका सकती हैं।

सावन में घर लाएं ये चीजें

हर काम में मिलेगी सफलता

हिंदू धर्म में सावन साल का सबसे पवित्र महीना माना जाता हैं। इन दिनों में भगवान शिव की आराधना का सबसे खास दिन होते हैं। इन दिनों में शिव जी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही उनकी कृपा आपके ऊपर हमेशा बनी रहती हैं।

इसी तरह घर पर शिव जी से संबंधित चीजें रहने से नकारात्म ऊर्जा दूर रहती हैं। साथ ही हर काम में आपको सफलता मिलती है और घर में कभी भी धन की कमी नहीं होती हैं। सावन के इस माह में घर लाएं ये चीजे। जिससे भगवान शिव भी आपके घर में अपनी कृपा बरसाते रहें। जानिए इन चीजों के बारे में। साथ ही जानिए इन चीजों को किस जगह रखने से अधिक लाभ मिलेगा।

त्रिशूल : घर में त्रिशूल रखना बहुत ही शुभ माना जाता हैं। इसको घर में रखने से

नकारात्मक ऊर्जा घर पर प्रवेश नहीं कर पाएगी। इसलिए इसे घर के हॉल में तांबा या फिर चांदी का त्रिशूल बनवा कर स्थापित करें।

भस्म : भगवान शिव का इसं श्रृंगार माना जाता है। इसके बिना भगवान की पूजा पूर्ण नहीं होती है। इसलिए इसे भगवान शिव की मूर्ति के साथ जरुर रखें।

तांबे के लोटे में पानी भरकर रखें : अगर आप चाहते है कि आपके घर में सुख–शांति सभी प्यार से रहे, तो घर के उस स्थान पर लोटे में जल भरकर रखें। जहां पर घर के सभी सदस्य अधिक समय बीताते हो।

रुद्राक्ष : कहा जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव की आंसुओं से हुई है। जिसे घर में रखना बहुत ही शुभ माना हैं। इसे अपने घर के सबसे बड़े सदस्य या फिर मुखिया के कमरे में रखे।

डमरु

अगर आप चाहते है कि आपका बच्चा हर काम में सफलता प्राप्त करें। साथ ही उसके कमरे में किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा न आएं, तो इसके लिए बच्चों के कमरे में डमरु रखें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी–35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी–5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350–14771, 97070–14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361–2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**